सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 252, नई दिल्ली | शुक्रवार ,24 नवंबर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

खुशी और गम एक दूसरे के समांतर चलते हैं जब एक शांत होता है तो दूसरा भी शिथिल पड़ जाता है

इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से लैस होगा जिला, पूरे शहर के सीसीटीवी कैमरे होंगे इंटीग्रेट

उल्लेखनीय है कि इंस्टॉलेशन व अपग्रेडेशन की प्रक्रिया पूर्ण होने से शहर के वीडियो मैनेजमेंट सिस्टम (वीएमएस) तंत्र को मजबूती मिलेगी, जिससे यातायात नियंत्रण के साथ ही अपराध समेत आपातस्थितियों के नियंत्रण में भी सर्विलांस के जरिए मदद मिलेगी।

परिवहन विशेष न्यूज

लखनऊ ,उत्तर प्रदेश में अब नोएडा की तर्ज पर गाजियाबाद में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) लागू किया जा रही है। प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में इस प्रक्रिया को पूर्णतः लागू करने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी और अब इसी को क्रियान्वित करते हुए गाजियाबाद के ट्रैफिक निगरानी व संचालन प्रक्रिया को स्मार्ट बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस क्रम में, गाजियाबाद नगर निगम ने कार्रवाई शुरू करते हुए शहर के वर्तमान सीसीटीवी कैमरों के उच्चीकरण व नए सीसीटीवी कैमरों के इंस्टॉलेशन के जरिए इंटिग्रेटेड सीसीटीवी कैमरों का जाल विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि इंस्टॉलेशन व अपग्रेडेशन की प्रक्रिया पूर्ण होने से शहर के वीडियो मैनेजमेंट सिस्टम (वीएमएस) तंत्र को मजबूती मिलेगी, जिससे यातायात नियंत्रण के साथ ही अपराध समेत आपातस्थितियों के नियंत्रण में भी सर्विलांस के जरिए मदद मिलेगी। इन सभी कार्यों के संचालन व समन्व्य के लिए मास्टर सिस्टम इंटिग्रेटर की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

500 से ज्यादा इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज बनेगी निगरानी का जरिया

गाजियाबाद में आईटीएमएस लागू करने की सीएम योगी की मंशा अनुरूप कार्य करते हुए गाजियाबाद नगर निगम ने आरपीएफ माध्यम से मास्टर सिस्टम इंटिग्रेटर की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे हैं। ई-निविदा के जरिए कायार्वटन प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा तथा जिस एजेंसी को मास्टर सिस्टम इंटिग्रेटर का दायित्व सौंपा जाएगा, उसे शहर में 500 से ज्यादा इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज एससमेंट व स्टोरेज कैपेसिटी वाला वीएमएस विकसित करना होगा। कंट्रोल रूम संचालन, फीड स्टोरेज प्रक्रिया समेत सीसीटीवी के उच्चीकरण जैसी प्रक्रियाओं को मास्टर सिस्टम इंटिग्रेटर द्वारा पूर्ण किया जाएगा। इसके अलावा, रिमोट एससमेंट, कंट्रोल रूम एक्सेस, क्लाउड व स्टोरेज कैपेसिटी मैनेजमेंट समेत तमाम प्रक्रियाओं को पूर्ण करना होगा। इंटिग्रेटर का निर्धारण भी कई मानकों के आधार पर होगा तथा उन्हें इवैल्युएशन प्रक्रिया से गुजरते हुए वर्किंग प्रोटोटाइप समेत कई लक्ष्यों को पूर्ण करने के बाद ही कार्य आवंटित होगा।

कई विशेषताओं से लैस है आईटीएमएस

- इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के तहत शहरों में सीसीटीवी समेत हाई डेफिनिशन कैमरा के जरिए रेड लाइट पर वाहनों के दबाव के हिसाब से रेड/ग्रीन लाइट की टाइमिंग ऑटोमैटिक तरीके से खुद ही सेट हो जाती है।- रेड लाइट वॉयलेशन डिटेक्शन कैमरा के जरिए कमांड कंट्रोल रूम में बैठकर ट्रैफिक पुलिस उन वाहन चालकों पर भी निगाह रख सकती है, जो रेड लाइट जंप करते हैं। ये कैमरा ऐसे लोगों की इमेज कैप्चर करने के साथ ही वाहन के नंबर के आधार पर खुद ही चालान काट देता है। - बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट वाले चालकों के खिलाफ भी चालान की कार्रवाई इसके माध्यम से आसानी से की जा सकती है।- आईटीएमएस के जरिए ट्रैफिक मैनेजमेंट में तो मदद मिलती ही है, साथ ही साथ कानून व्यवस्था को सुचारू रखने में भी सहायता मिलती है। इसकी मदद से बदमाशों की धरपकड़ में पुलिस को कामयाबी मिलती है।

- सड़क पर लगे सर्विलांस कैमरों की मदद से कमांड सेंटर के जरिए पुलिस बेहद नजदीक से संदिग्धों के चेहरे को देख सकती है तथा अपराधियों की लोकेशन को ट्रेस करते हुए पुलिस उन्हें आसानी से पहचानकर दबोच सकती है। - इसके अतिरिक्त, किसी आपात स्थिति में संबंधित इलाके का सर्विलांस किया जा सकता है, जिससे प्राप्त लाइव फुटेज के जरिए स्थिति का आंकलन कर उसके नियंत्रण की प्रक्रिया पूर्ण की जा सकती है।

जहां से टिकट होगा बुक वहीं मिलेगी प्रीमियम बस, एप से होगी बुकिंग, घटेगा प्रदूषण

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार की प्रीमियम बसें वहीं उपलब्ध होगी, जहां से मुसाफिरों ने टिकट बुक करवाया है। बशर्ते यात्री को प्रीमियम बस के रूट पर ही चलना हो। इसके लिए उसे सड़क के बस स्टॉप तक नहीं जाना पड़ेगा। बस उसी लोकेशन पर रूकेगी जहां से एप पर टिकट लिया गया है। बस में यात्री को कार की तरह की सुविधाएं भी मिलेंगी। अधिकारियों का मानना है कि रोजाना कार से दफ्तर तक जाने वाले लोग खुद ही इन बसों की सवारी करेंगे। इससे सड़कों से कारें हटेंगी, जिसका नतीजा जाम व प्रदूषण में कमी के तौर पर दिखेगा। दिलचस्प यह कि योजना में शामिल एग्रीगेटर के लिए सरकार अपने स्तर पर कोई एप नहीं बनाएगी। कैब चालक कंपनियों की तरह प्रीमियम बस सेवादाताओं को खुद ही एप विकसित करना होगा। साथ ही, वह अपने आकलन के हिसाब से रूट भी तय कर सकेंगे। इससे नफा या नुकसान होने की जिम्मेदारी सरकार पर नहीं आएगी। जिस रूट पर ज्यादा यात्री होंगे, वहां ज्यादा एग्रीगेटर को लाइसेंस मिल सकता है।

उधर, योजना के गजट नोटिफिकेशन के दूसरे दिन बुधवार को परिवहन विभाग के अधिकारी इससे जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करते दिखे। दिनभर बैठकों का दौर चलता रहा। इसमें निविदा आदि से जुड़ी को पूरी करने के बाद विभाग कंपनियों को लाइसेंस देगा। साथ ही, उनकी मांग के हिसाब से रूट भी तय कर देगा। इससे आगे तयशुदा शर्तों के साथ बस चलाने का पूरा जिम्मा लाइसेंसधारक के पास होगा।

एनसीआर के लिए भी हो सकती है उपयोगी

अभी फिलहाल योजना कागजों में है, जल्द इसे धरातल पर उतारने की कोशिश की जा रही है। यह योजना दिल्ली में लागू की गई है। रूट तय होने के बाद यदि योजना सफल होती है तो उसे एनसीआर में भी लागू किया जा सकता है। जानकारों का कहना है कि यह योजना नोएडा, गाजियाबाद, गुरुगाम आदि एनसीआर के जिलों के लिए भी उपयोगी हो सकती है। लाखों लोग एनसीआर के जिलों और दिल्ली में नौकरी करते हैं। इनमें बड़ी संख्या में लोग कार से कार्यालय आते हैं।

दिल्ली के इन क्षेत्रों में बन सकता है रूट द्वारका, रोहिणी, वसुंधरा एन्क्लेव, सरोजिनी नगर, लाजपत नगर, ग्रीन पार्क, हौज खास, लक्ष्मीबाई नगर, आईएनए, चाणक्यापुरी, ग्रेटर कैलाश, साउथ एक्स, सिविल लाइंस, बुराड़ी, करोल बाग पश्चिम विहार, पंजाबी बाग, महिपालपुर समेत कई क्षेत्रों में इन बसों का रूट बनाया जा सकता है।

एग्रीगेटर तय करेगा रूट

अधिकारियों का कहना है कि कंपनी सवारियों की सुविधा के अनुसार रूट बना कर परिवहन विभाग को बताएगा। बस में कम से कम नौ सवारियों को बैठाने की सीट होगी। योजना के तहत बस में सवारियों को कार जैसा अहसास देना है, ताकि कार से कार्यालय आने-जाने वाले लोग प्रीमियम बसों को अपना हमसफर बनाएं।

दैनिक यात्रियों के लिए होगा फायदे का सौदा

अधिकारियों के मुताबिक, इसमें नियत जगह पर काम करने वाले नौकरीपेशा लोगों को खास फायदा होगा। उन्हें कार छोड़ने का एक बेहतर विकल्प मिलेगा। मसलन, रोहिणी की किसी कॉलोनी के सात-आठ लोग अगर रोजाना कनॉट प्लेस स्थित अपने दफ्तर कार से जाते हैं तो वह प्रीमियम बस बुक कर सकेंगे। बस उनके घर पर आएगी और उन्हें कार्यालय पर छोड़गी। चूंकि यह बसें सामान्य बसों से छोटी होंगी, ऐसे में जहां पर सामान्य बसें नहीं जा सकती हैं, वहां पर इन बसों की सेवा ली जा सकती है।

दिल्ली के निजी स्कूलों में मिशन दाखिला नर्सरी, केजी,पहली के लिए शुरू भागदौड...

वहीं स्कूल को ई-मेल,और नोटिस बोर्ड के जरिये कम से कम दो दिन पहले सूचित करने की हिदायत दी गई है।

परिवहन विशेष न्यूज,

परिवहन विशेष । एसडी सेठी। राजधानी दिल्ली के निजी स्कूलों में नर्सरी, केजी,और पहली के लिए मिशन एडमिशन गुरूवार 23नवंबर से पेरेंट्स की भागदौड़ शुरू हो गई। शिक्षा निदेशालय की निजी स्कूल शाखा के डिप्टी डायरेक्टर (एजूकेशन) हिमांशु गुप्ता के मुताबिक शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए पहले ही कार्यक्रम जारी कर दिए है। निदेशालय की वेबसाइट https://www.edudel.nic.in पर दाखिले से जुडे तमाम जरूरी सूचनाएं अपलोड कर दी गई हैं। रजिस्ट्रेशन फीस 25 रुपए रखी गई है। इससे अधिक स्कूल नहीं ले सकते हैं। आवेदन करने की आखरी तारीख 15 दिसंबर है। डी डी ई के मुताबिक नर्सरी कक्षा में दाखिले के लिए उम्र 31 मार्च तक 4साल से कम हो। वहीं केजी में एडमिशन की उम्र 31 मार्च तक 5 वर्ष से कम हो। पहली कक्षा में दाखिले के लिए 6 साल से कम होना चाहिए। दाखिले के लिए जरूरी डाक्यूमेंट में माता-पिता/अभिभावक के नाम पर जारी राशन कार्ड/स्मार्ट कार्ड/जिसमें बच्चे का नाम होना चाहिए। बच्चे या माता-पिता के नाम का मूल प्रमाण पत्र ,बच्चे या माता पिता के नाम बिजली/टेलीफोन/पानी का बिल या पासपोर्ट होना चाहिए। इसके अलावा माता-पिता में से एक का आधार कार्ड/यू आईडी कार्ड होना चाहिए। स्कूल वालों को 25 % सीटें ईडब्ल्यूएस डीजी और सीडब्ल्यूएसएन के लिए आरक्षित रखनी होगी। दाखिले को लेकर ड्रा का आयोजन अभिभावकों की मौजूदगी में प्रदर्शिता के तहत बाकायदा वीडियोग्रफी की जानी होगी। वहीं स्कूल को ई-मेल,और नोटिस बोर्ड के जरिये कम से कम दो दिन पहले सूचित करने की हिदायत दी गई है। ड्रा के लिए पर्ची डालने से पहले उसको पेरेंट्स को दिखाना होगा।

17 नई सड़कें बनेंगी, 50 हजार को मिलेगी इससे सुविधा

ग्रामीण इलाकों में सड़क न होने से लोगों को काफी परेशानी होती है। यहां पर अभी तक खड़ंजा है।

अमेठी

अमेठी। तिलोई विधानसभा क्षेत्र के 17 गांवों में नई सड़कें बनेंगी। राज्यमंत्री की पहल पर शासन ने लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड के 7.85 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। पहली किस्त के तौर 5.16 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इससे करीब 50 हजार की आबादी को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

ग्रामीण इलाकों में सड़क न होने से लोगों को काफी परेशानी होती है। यहां पर अभी तक खड़ंजा है। लोक निर्माण विभाग ने ऐसी ग्राम पंचायतों में सड़कों का निर्माण कराने की योजना बनाई है। चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री राज्यमंत्री मंयकेश्वर शरण सिंह की पहल पर लोक निर्माण विभाग ने पंडित दीनदयाल योजना के तहत तिलोई क्षेत्र के पक्के मार्ग से वंचित 17 ग्राम सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा था। शासन ने 17 ग्राम पंचायतों में 12.01 किमी. सड़क निर्माण के लिए सात करोड़ 85 लाख के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। पहली किस्त के रूप में पांच करोड़ 16 लाख रुपये जारी कर दिया है। अब लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार निविदा के माध्यम से ठेकेदार का चयन करने के साथ अन्य कार्रवाई करने में जुटे हैं। सड़कों के निर्माण के बाद करीब 50 हजार की आबादी को आवागमन में आने वाली दिक्कतों से नहीं जूझना पड़ेगा। लोक निर्माण विभाग-प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत तिलोई क्षेत्र की 17 सड़कों के निर्माण के लिए शासन से मंजूरी मिल गई है। पहली किस्त की राशि भी जारी कर दी गई है। निविदा के माध्यम से ठेकेदार का चयन कर निर्माण कार्य पूरा कराया जाएगा।

प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही सरकार

इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (यूपीएसटीडीसी) ने विस्तृत कार्य योजना बनाकर ई-टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

लखनऊ

प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए काफी काम हो रहा है। इसके तहत अब उन धार्मिक, आध्यात्मिक व ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों का भी सौंदर्यीकरण व विकास कराया जाएगा जो कई वर्षों से इससे वंचित रहे हैं। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (यूपीएसटीडीसी) ने विस्तृत कार्य योजना बनाकर ई-टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना के अनुसार यूपीएसटीडीसी ने बस्ती में काली माता मंदिर, झरखंडी मंदिर व श्रीराम-जानकी मंदिर, आजमगढ़ में कालिका मंदिर, उन्नाव में सिद्धपीठ माता मंशारानी मंदिर, लखीमपुर में काली मंदिर, सेठ घाट तथा बाबा बनवारी दास धाम, बरेली के धोपेश्वर नाथ मंदिर समेत कुल 10 धार्मिक महत्व वाले स्थलों का सौंदर्यीकरण व विकास कार्य कराए जाएगा। यूपीएसटीडीसी की ओर से शुरू की गई सौंदर्यीकरण व विकास प्रक्रिया में पांच जिलों के चिह्नित तीर्थों के काम होंगे। इनमें बस्ती व लखीमपुर के मंदिरों व तीर्थ स्थलों को प्रमुखता दी गई है। बस्ती के विक्रमजोत स्थित देवखार गांव में स्थित झरखंडी मंदिर, दुबखारा स्थित काली माता मंदिर व रेपुरा के जंगलों में स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर में सौंदर्यीकरण व विकास कार्यों के लिए ई-टेंडर की प्रक्रिया शुरू की गई है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

बढ़ता वजन बन गया है परेशानी की वजह, तो वेट लॉस के लिए खाएं ये हेल्दी ब्रेकफास्ट...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इन दिनों लोग कई तरह की समस्याओं से परेशान रहते हैं। मोटापा इन्हीं में से एक है, जिससे दुनियाभर कई लोग परेशान हैं। समय रहते अगर इसे कंट्रोल न किया जाए, तो यह कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की वजह बन सकता है। तेजी से बदलती लाइफस्टाइल और खानपान की गलत आदतों की वजह से लोग इन दिनों मोटापे का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में अपने वजन को घटाने या कंट्रोल करने के लिए लोग कई उपाय अपनाते हैं। कुछ लोग जहां वर्कआउट का सहारा लेते हैं, तो वहीं कुछ डाइटिंग के जरिए वजन कम करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, कई बार कड़ी मेहनत करने के बाद भी हमारा वजन कम नहीं होता है। अगर आप इन्हीं लोगों में से हैं, जो कड़ी मेहनत के बाद भी अपना वजन कम नहीं कर पा रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कुछ हेल्दी ब्रेकफास्ट ऑप्शन के बारे में, जो वजन घटाने में आपके लिए मददगार साबित होगा।

स्मूदीज

अगर आप वजन घटाने की कोशिश में लगे हुए हैं, तो स्मूदीज के साथ अपने दिन की शुरूआत कर सकते हैं। सुबह-सुबह अक्सर कुछ खाने में कठिनाई होती है। ऐसे में अगर आप सुबह के लिए कुछ ऐसा खोज रहे हैं, जो आसानी से बन जाए और आपके लिए हेल्दी भी हो, तो आप फल, मेवे, सब्जियों और दूध से बनी स्मूदीज ट्राई कर सकते हैं।

उबले अंडे

अंडे सुबह की शुरूआत के लिए एक बढ़िया विकल्प है। यह प्रोटीन से भरपूर होते हैं, जो आपको दिनभर एनर्जी से भरपूर रखते हैं। यूं तो आप इसे कई तरीकों से खा सकते है, लेकिन अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सुबह उबला अंडा खाना आपके लिए फायदेमंद होगा।

कॉटेज चीज

वेट लॉस के लिए आप कॉटेज चीज को भी अपने नाश्ते में शामिल कर सकते हैं। कम फैट और हाई प्रोटीन से भरपूर कॉटेज चीज आपके लिए एक बढ़िया ब्रेकफास्ट ऑप्शन साबित होगा। आप इसका स्वाद बढ़ाने के लिए कुछ सूखे मेवे और सीड्स मिला सकते हैं।

ओटमील

वजन घटाने की कोशिश में लगे लोगों के लिए ओटमील एक बढ़िया विकल्प है। यह अपने दिन की शुरूआत करने के लिए एक लाइट और हेल्दी ऑप्शन है। ढेर सारे फलों और मेवों के साथ साथ मिलकर बना ओटमील खाने मे स्वादिष्ट भी होता है।

फ्रूट सलाद

अगर आप वेट लॉस के साथ ही अपनी सेहत के लिए भी एक बढ़िया ब्रेकफास्ट खोज रहे हैं, तो फ्रूट सलाद ट्राई कर सकते हैं। सुबह-सुबह इन्हें खाने से आपको दिनभर के लिए एनर्जी मिलेगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे। इसे बनाने के लिए आपको बस अलग-अलग फलों काटकर इसमें चाट मसाला मिलाकर खाना होगा।

सर्दियों में करवाने जा रही हैं फेशियल, तो न करें ये गलतियां वरना स्किन हो सकती है खराब

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। वैसे तो चेहरे की चमक बढ़ाने का सबसे आसान और असरदार तरीका है अच्छा खानपान, पर्याप्त नींद लेना, पानी पीना और रोजाना थोड़ी देर वर्कआउट। ये तरीके नेचुरली निखार बढ़ाने का काम करते हैं, लेकिन कई बार शादी-ब्याह के फंक्शन की तैयारियों के बीच इस रूटीन को फॉलो कर पाना पॉसिबल नहीं हो पाता, ऐसे में चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए फेशियल का ऑप्शन ही समझ आता है। जो नो डाउट आपको इंस्टेंट ग्लो दे सकता है, लेकिन फेशियल के बाद कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी होता है, वरना आपकी सारी मेहनत और पैसे बर्बाद हो सकते हैं। आइए जानते हैं सर्दियों में फेशियल के बाद किन बातों का ध्यान रखना है जरूरी।

फेशियल के बाद न करें ये गलतियां

1. क्लेंजिंग न करना
क्लेजिंग स्किन पर जमी गंदगी और धूल-मिट्टी को साफ करने का तरीका है। सर्दियों में फेशियल के दौरान इस स्टेप को बिल्कुल भी अवॉइड न करें, क्योंकि इससे स्किन बेहतर होती है। इससे स्किन का नेचुरल ऑयल बना रहता है साथ ही ग्लो भी।
2. स्क्रब का ज्यादा इस्तेमाल
हफ्ते में एक से दो बार चेहरे की स्क्रबिंग काफी होती है, रोजाना स्क्रबिंग करने की गलती न करें। स्क्रब हमेशा हल्के हाथों से करें। बहुत ज्यादा देर तक न करें वरना इससे ड्राईनेस बढ़ सकती है।
3. पील ऑफ मास्क इस्तेमाल करना
विंटर्स में फेशियल के दौरान पील ऑफ मास्क न करें, क्योंकि ये इस मौसम में होने वाली ड्राईनेस को और ज्यादा बढ़ा सकते हैं। जिससे खुजली और रेडनेस बढ़ सकती है, बल्कि इसकी जगह मॉइश्चराइजिंग फेस मास्क या फेसपैक का इस्तेमाल करें।
4. गर्म पानी से मुंह धोना
वैसे तो गर्म पानी से मुंह धोना किसी भी मौसम में सही नहीं होता, लेकिन क्योंकि सर्दियों में ऑलरेडी स्किन ड्राई रहती है, ऐसे में गर्म पानी के इस्तेमाल से ये प्रॉब्लम और ज्यादा बढ़ सकती है। साथ ही इससे स्किन का नेचुरल ऑयल भी कम होने लगता है।
5. मॉइश्चराइजर इस्तेमाल न करना
फेशियल के बाद हमेशा मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इस स्टेप को बिल्कुल अवॉयड न करें, क्योंकि फेशियल के बाद त्वचा को थोड़ी ज्यादा नमी की जरूरत होती है।

ससुराल में दिखाने हैं अपने फैशन के जलवे, तो सिल्क के अलावा इन साड़ियों को भी करें बक्से में कैरी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। शादी के बाद दुल्हन के ससुराल ले जाने वाले बक्से को तैयार करना जरूरी कामों में से एक है। कौन से कपड़े रखने है, लॉन्जरी, जूलरी और भी दूसरे सामान की पैकिंग, इनमें सबसे ज्यादा मेन है कपड़ों की पैकिंग। शादी के कई दिनों बाद तक घर में मिलने-मिलाने का कार्यक्रम चलता रहता है। जिसमें नई नवेली दुल्हन को अच्छे से तैयार होना पड़ता है।
ऐसे में अपने सूटकेस में सिर्फ सिल्क की साड़ियां भरने से काम नहीं चलने वाला और न ही जॉर्जेट की लाइट साड़ियां। बल्कि अलग- अलग तरह की साड़ियों को अपने बक्से में शामिल करें, जिससे हर एक मौके पर मिल सके अलग और खूबसूरत लुक।
1. ब्राइडल साड़ियों की बात करें, तो बनारसी और कांजीवरम के बिना दुल्हन का वार्डरोब अधूरा है, तो अपने वेडिंग कलेक्शन में एक सिल्क की साड़ी जरूर शामिल करें।
2. शादी में ज्यादा फोकस ब्राइट कलर्स पर ही होता है और शादी के कई दिनों बाद तक घर में कुछ न कुछ फंक्शन चलते ही रहते हैं। ऐसे में हर जगह ब्राइट कलर्स पहनकर एक जैसा ही लुक लगेगा, तो बेहतर होगा कि अपने वॉर्डरोब में कुछ लाइट कलर की साड़ियां भी शामिल करें। ग्रीन, पिंक, ब्लू और पर्पल के लाइट शेड्स नई दुल्हनों के लिए परफेक्ट ऑप्शन हैं।
3. रॉयल एंड एलीगेंट लुक के लिए अपने वॉर्डरोब में पटोला साड़ी भी रखें। इसकी खासियत डबल शेड और ज्योमेट्रिकल प्रिंट्स होते हैं।
चटख रंगों वाली पटोला साड़ी नई दुल्हन के लुक को और खूबसूरत बनाती है।
4. भारी साड़ी के बिना दुल्हन का बक्सा पूरा कैसे होगा, लेकिन हैवी साड़ी को पहनकर कंफर्टेबल रहना थोड़ा मुश्किल होता है, वो भी अगर आप दुबली-पतली हो तो, ऐसे में सिक्विन साड़ी का ऑप्शन चुन सकती हैं।
5. लाइट वर्क वाली सिल्क की साड़ियां तो ब्राइडल बक्से में जरूर रखें। क्योंकि इन्हें आप शादी के बाद भी कई सारे इवेंट्स में पहन पाएंगी। इन्हें ट्रेडिशनल ब्लाउज के बजाय कंट्रास्ट कलर में टॉप या ब्लेजर के साथ भी कैरी किया जा सकता है।

चेहरे पर चाहिए गुलाबी निखार, तो सेब से बने इन फेस मास्क को करें स्किन केयर रूटीन मे शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। रोजाना एक सेब खाने से आप लंबे समय तक स्वस्थ बने र सकते हैं, ये तो आप सबने सुना ही होगा, लेकिन क्या आप सेब के ब्यूटी बेनिफिट्स से वाकिफ हैं ? ठंड में चलने वाली सर्द हवाएं चेहरे का निखार छीन लेती हैं। दूसरा इस मौसम में पानी इनटेक भी थोड़ा कम हो जाता है, जो चेहरे के निखार को बनाए रखने के लिए जरूरी होता है। ऐसे में आपको स्किन केयर पर थोड़ा एक्स्ट्रा ध्यान देने की जरूरत होती है। फलों को खाने के तो फायदे होते ही हैं, लेकिन कुछ फलों को लगाने से भी स्किन की चमक बढ़ती है, जिसमें से एक है सेब। इससे बने फेस पैक को लगाकर आप पा सकती हैं नेचुरल ग्लो। आइए जानते हैं एप्पल फेस मास्क बनाने और लगाने का तरीका।
सेब से बनने वाले फेस मास्क डल स्किन के लिए फेस पैक सामग्री- दूध, सेब, ओटमील पाउडर
- सेब को पीसकर इसकी स्मूद प्यूरी बना लें।
- दूध और ओटमील पाउडर डालकर सारी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें।
- फेस पैक को चेहरे और गर्दन पर अप्लाई करें और 20 मिनट तक लगाए रखें।
- फिर गुनगुने पानी से चेहरे को धो लें।
ग्लोइंग त्वचा के लिए फेस पैक सामग्री- सेब, शहद, दालचीनी

ऐसे करें तैयार
- सेब को पीस लें। इसे एक बाउल में निकाल लें।
- इसमें थोड़ी सी शहद और 2 चुटकी दालचीनी पाउडर मिलाएं और सारी चीजों को मिक्स कर लें।
- इससे चेहरे, गर्दन और हाथ-पैरों की स्क्रबिंग करें।
- 15 मिनट तक लगाकर रखें।
- इसे हटाने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।
डीप क्लीन के लिए फेस मास्क सामग्री- सेब, दही, नींबू का रस
ऐसे करें तैयार
- सेब को मिक्सी में पीसकर इसकी प्यूरी बना लें।
- इस प्यूरी में दही और नींबू का रस डालकर सारी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें।
- इस फेस पैक को चेहरे के अलावा गर्दन पर भी अप्लाई कर सकते हैं।
- लगभग 15-20 मिनट तक लगाकर रखें।
- फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

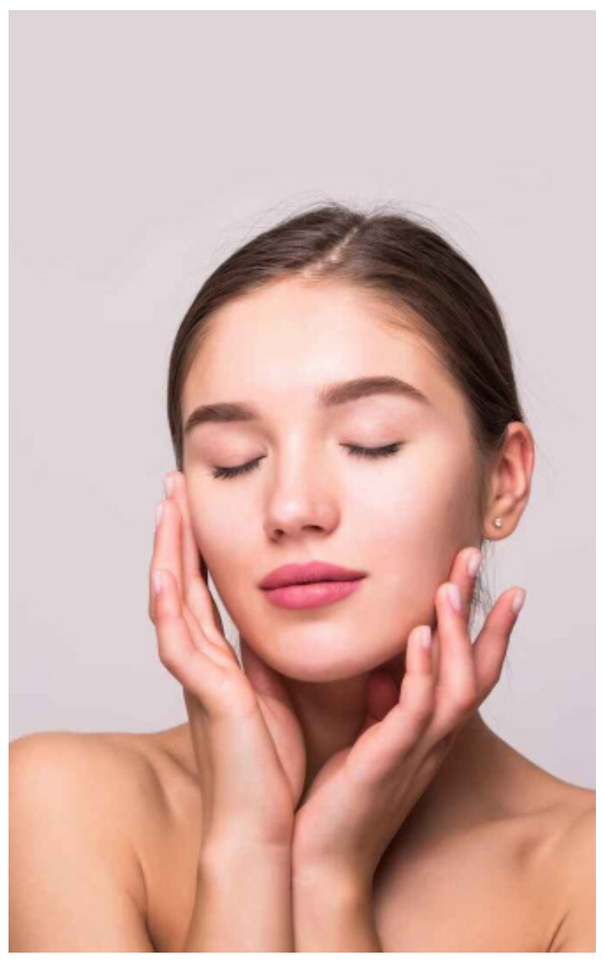

सिर पर नहीं टिकता है पल्लू तो अपनाएं ये तरीके, नई दुल्हनों के काम आएंगी ये ट्रिक्स

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली,शादी के बाद हर दूल्हा और दुल्हन की जिंदगी में काफी बदलाव आता है। दूल्हे को तो इस बदलाव को अपनी जिंदगी में शामिल करने में ज्यादा परेशानी नहीं होती क्योंकि उनकी बस जिम्मेदारियां बढ़ती हैं लेकिन एक दुल्हन की तो जिंदगी ही शादी के बाद बदल सी जाती है। खासतौर पर जब कोई लड़की दुल्हन बनकर नए घर जाती है, तो उनसे तमाम तरह की उम्मीदें की जाती हैं। लड़कियों के रहने-सहने से लेकर उनके पहनावे तक में काफी बदलाव आता है।

भले ही शादी कितनी भी मॉर्डन परिवार में हुई हो, लेकिन शादी के बाद की रस्मों में साड़ी ही पहननी पड़ती है और पूजा के वक्त सिर पर पल्लू भी रखना पड़ता है। सिर पर पल्लू रखना कई जगह की प्रथा में भी शामिल है लेकिन शुरूआत के वक्त पल्लू बार-बार सिरकता रहता है। इसी परेशानी को देखते हुए आज हम आपको पल्लू सेट करने के कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

बालों में बनाएं जूड़ा

अगर आपके सिर पर पल्लू नहीं टिकता है तो बालों को खुला रखने की बजाए उसमें जूड़ा बनाएं। जूड़ा बनाकर आप अपने पल्लू को इसमें अटैच कर सकते हैं। इसके लिए आपको जूड़ा पिन की मदद लगेगी। जूड़ा पिन लेकर अपने पल्लू को जूड़े में अटैच कर दें।

कंधे पर करें पिनअप

अपने पल्लू को सेट करने के लिए आप एक पिन कंधे पर जरूर लगाएं। इससे सिर पर से पल्लू हटेगा नहीं।
आप आसानी से सेफ्टी पिन लगाकर कंधे पर साड़ी का थोड़ा सा पल्लू सिक्योर कर सकती हैं।
ऐसे सेट करें बॉर्डर वाली साड़ी का पल्लु
अगर आपकी साड़ी में हैवी बॉर्डर है तो आप बॉर्डर वाली साड़ी का पल्लू सिर पर लेते समय पीछे साइड पर एक हुक लगा लें। इस हुक को अपने बालों में फंसा लें। इस टिप्स को तभी इस्तेमाल करें, जब आपको कुछ देर के लिए ही साड़ी पहननी हो।

हेयर पिन का करें इस्तेमाल

हेयर पिन तो हर महिला के पास होती है। ऐसे में आप पल्लू को हेयर पिन की मदद से सेट कर सकती हैं। हेयर पिन की मदद से पल्लू को टिकाने के लिए आप सबसे पहले सिर पर पल्लू डालें और फिर दोनों ओर कान के पीछे से हेयर पिन लगाएं। इस तरह से पिन लगाने के बाद सिर का पल्लू हिलेगा भी नहीं।

हाथ-पैर में दर्द से राहत दिलाएंगे ये योगासन, रोज कीजिए इनका अभ्यास

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली ,गलत लाइफस्टाइल और खान पान में पोषण की कमी के कारण लोग कई तरह की शारीरिक समस्याओं से पीड़ित हो जाते हैं। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में काम के चक्कर में लोगों को इधर-उधर भाग दौड़ करनी होती है। व्यस्त शेड्यूल की वजह से शरीर को आराम न मिल पाने पर व्यक्ति के पैरों पर दबाव पड़ता है और पैरों में दर्द की समस्या हो जाती है। गड़बड़ जीवनशैली और लगातार बैठे रहने की आदत के कारण हाथ और पैरों में दर्द बढ़ जाता है। लोग इस शारीरिक दर्द को दूर करने के लिए और हाथ पैर को आराम दिलाने के लिए मालिश करते हैं। मालिश से दर्द में त्वरित आराम तो मिल जाता है लेकिन दर्द लगातार लंबे समय तक बना रहता है। इसलिए शरीर दर्द से निजात के लिए स्थाई इलाज के तौर पर योग फायदेमंद है। योग विशेषज्ञ के मुताबिक, नियमित योगाभ्यास से हाथ पैर में दर्द की समस्या को कम किया जा सकता है। कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो पैरों की मांसपेशियों को मजबूती देते हैं और हल्का महसूस कराने में मदद करते हैं। आगे की स्लाइड्स में जानिए हाथ पैर के दर्द से छुटकारा दिलाने वाले योगासन के बारे में।

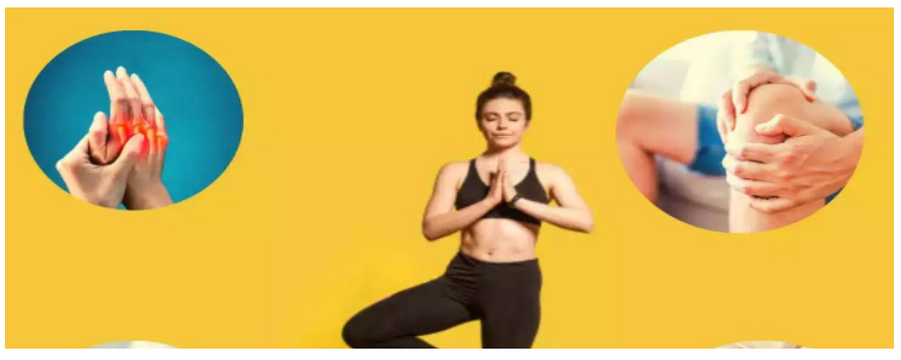

सेतुबंधासन

इस आसन को ब्रिज पोज योग भी कहते हैं। सेतुबंधासन पैरों और कमर दर्द से छुटकारा दिलाने में लाभदायक माना जाता है। इस आसन को करने से पैरों की मांसपेशियों में रक्त का संचार बढ़ता है। जिससे पैरों में होने वाला दर्द ठीक होने लगता है। सेतुबंधासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। अब पैरों को कंधे की चौड़ाई से अलग करते हुए घुटनों को मोड़ लें। हथेलियों को खोले और हाथ बिल्कुल सीधा जमीन पर सटा लें। सांस लेते हुए कमर के हिस्से को ऊपर की ओर उठाएं और कंधे व सिर को सपाट जमीन पर टिका कर रखें। बाद में सांस छोड़ते हुए पुरानी स्थिति में आ जाएं।

उत्तानासन

उत्तानासन योगाभ्यास से पैरों के दर्द और जकड़न की समस्या से निजात मिलता है। ये आसन कमर और रीढ़ के लिए भी फायदेमंद होता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पैरों को कूल्हे की चौड़ाई से अलग करते हुए घुटनों को सीधा रखें और आगे की ओर झुक कर पैरों के पिछले हिस्से को छूने की कोशिश करें।

बालासन

बालासन को चाइल्ड पोज कहा जाता है। इस आसन के नियमित योगाभ्यास से पैरों के दर्द की समस्या को कम किया जा सकता है। चाइल्ड पोज को करने के लिए जमीन पर वज्रासन अवस्था में बैठ जाएं। अब सांस अंदर लेते हुए अपने दोनों हाथों को सीधा सिर के ऊपर उठा लें। फिर सांस बाहर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। हथेलियों और सिर को जमीन पर टिकाते हुए लंबी सांस अंदर लें और बाहर छोड़ें। अब अपनो दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ें और सिर को दोनों हथेलियों के बीच में धीरे से रख लें। थोड़ी देर इसी अवस्था में रहें और फिर पुरानी स्थिति में आ जाएं।

भुजंगासन

पैरों और शरीर दर्द से राहत दिलाने के लिए भुजंगासन लाभदायक है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर पेट के बल लेट जाएं। दोनों पैरों के बीच कम दूरी रखें और गहरी सांस लेते हुए कमर के ऊपरी भाग को ऊपर की तरफ उठाएं। इस दौरान कोहनी सीधी रखें और पैरों को मोड़ते समय ज्यादा खिंचाव न लाएं।

350 रुपये के लिए किशोर का गला दबाया, फिर चाकू से ताबड़तोड़ 50 से ज्यादा किए वार

● उसके पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, यूसुफ परिवार के साथ गली नंबर-27, जाफराबाद में रहता था।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। हत्याकांड का दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। लूट का विरोध करने पर आरोपी ने पहले गला दबाया, फिर चाकू से ताबड़तोड़ 50 से ज्यादा वार कर दिए। देश की राजधानी दिल्ली में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां वेलकम इलाके में मंगलवार रात महज 350 रुपये लूटने के लिए 16 साल के किशोर ने 17 साल के किशोर की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्याकांड का दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। लूट का विरोध करने पर आरोपी ने पहले गला दबाया, फिर चाकू से ताबड़तोड़ 50 से ज्यादा वार कर दिए। खून से लथपथ किशोर को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया। बुधवार को काफी प्रयासों के बाद मृतक की शिनाख्त जाफराबाद निवासी यूसुफ (17) के रूप में हुई। बुधवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद उसका शव परिजनों के हवाले कर दिया। छानबीन के बाद मंगलवार रात को ही पुलिस ने आरोपी किशोर को दबोच लिया। उसके पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, यूसुफ परिवार के साथ गली नंबर-27, जाफराबाद में रहता था। परिवार में माता-पिता व अन्य सदस्य हैं। यूसुफ भाई के साथ वेलकम में कपड़ों पर कढ़ाई का काम करता था। मंगलवार रात को वह किसी काम से जाने की बात कहकर घर से निकला था। इस बीच वह गली नंबर-18, ईदगाह रोड, वेलकम पहुंचा। यहां नशे में धुत आरोपी ने यूसुफ को घेर लिया। आरोपी जबरन उसकी जेब में रखे 350 रुपये निकालने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने गला दबा दिया। जैसे ही यूसुफ नीचे गिरा तो आरोपी ने चाकू से 50 से ज्यादा वार कर दिए।

पुलिस उपायुक्त ने कही यह बात

पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि अस्पताल ले जाने पर यूसुफ को मृत घोषित कर दिया गया। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। जांच के बाद वेलकम निवासी आरोपी को दबोच लिया गया। उसके पास से चाकू भी बरामद कर लिया गया। वारदात के बाद मृतक की पहचान नहीं हो सकी। दोपहर बाद उसकी पहचान हुई।

दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज वेलकम में यूसुफ हत्याकांड का दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें यूसुफ पर आरोपी जानवरों की तरह चेहरे व गले पर चाकू से हमला करते हुए नजर आया है। इस दौरान कभी वह चेहरे को लात से मारता तो कभी बाल घसीटकर गली में ले जाते हुए दिखा है। इस दौरान वह नाचते हुए मोहल्ले वालों को ललकार भी रहा था। घटना के दौरान किसी ने भी यूसुफ को बचाने का प्रयास नहीं किया। आरोपी ने यूसुफ की गर्दन पर चाकू के इतने वार किए कि उसकी गर्दन लगभग अलग ही हो गई थी। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि आरोपी पहले भी हत्या के मामलों में शामिल रह चुका है। तो हत्यारोपी जल्द आ जाएगा बाहर नाबालिग होने का फायदा उठाकर आरोपी जल्द ही बाल सुधार गृह से बाहर आ जाता है। आरोपी ने यह तीसरी वारदात को अंजाम दिया है। वहीं, मामले पर वरिष्ठ अधिकारी कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, नाबालिग को पकड़कर जेजे बोर्ड में पेश किया गया, जहां से उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

27 को हल्की बारिश दिल्ली में बढ़ा सकती है ठिठुरन, राजधानी की हवा फिर गंभीर श्रेणी में

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ रही है। दोपहर के समय धूप कम खिल रही है और सुबह-शाम ठंड बढ़ने लगी है। इससे दिल्ली में न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। दिल्ली-एनसीआर में कोहरे के साथ तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ रही है। दोपहर के समय धूप कम खिल रही है और सुबह-शाम ठंड बढ़ने लगी है। इससे दिल्ली में न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। आज की सुबह सर्द रही और कुछ इलाकों में हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। बुधवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री से नीचे रहा। औसत अधिकतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से एक डिग्री कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार को कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। इससे ठिठुरन बढ़ेगी। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में और कमी आएगी। इधर, लोदी रोड में न्यूनतम तापमान 10.4, जफरपुर में 11.2, मुंगेशपुर में 11.3, नरेला में 12.1 डिग्री सेल्सियस रहा। पीतमपुरा में अधिकतम तापमान 27.6, नरेला में 27.4, स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में 26.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, दिल्ली में बुधवार को 20 इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। इनमें बवाना में 445, मुंडका में 430, व अशोक विहार में 377 बेहद खराब श्रेणी में एक्यूआई दर्ज किया गया। एक इलाके में हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई। यहां दिलशाद गार्डन का एक्यूआई 300 दर्ज किया गया।

सुबह से ही आसमान में स्मॉग की मोटी चादर छाई रही। इससे धूप नहीं खिली। एनसीआर में फरीदाबाद का एक्यूआई 356, गाजियाबाद में 344, ग्रेटर नोएडा में 321, नोएडा व गुरुग्राम में 341 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, दिल्ली में बुधवार को 20 इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। इनमें बवाना में 445, मुंडका में 430, व अशोक विहार में 377 बेहद खराब श्रेणी में एक्यूआई दर्ज किया गया। एक इलाके में हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई। यहां दिलशाद गार्डन का एक्यूआई 300 दर्ज किया गया।

संक्षिप्त खबरें

2022 की तुलना में इस बार छठ पर कम प्रदूषित रही यमुना, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। छठ पर यमुना प्रदूषण को लेकर दो दिन पहले एलजी वी के सक्सेना द्वारा टवीट किए जाने के बाद इस मुददे पर एक बार फिर राजनीति शुरू हो गई है। सियासी आरोप-प्रत्यारोप भी जारी हैं। इसी बीच दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने दावा किया है कि इस साल दिल्ली वासियों ने छठ पर गत वर्ष की तुलना में कम प्रदूषित यमुना में अर्घ्य दिया है। डीपीसीसी ने छठ के आसपास यमुना के पानी की गुणवत्ता पर 2022 से तुलना करते हुए एक रिपोर्ट भी वेबसाइट पर डाली है। आठ जगहों से लिए गए थे पानी के नमूने डीपीसीसी ने इस रिपोर्ट के लिए यमुना में आठ जगहों से चार अक्टूबर को पानी के नमूने लिए थे। रिपोर्ट 18 अक्टूबर को बनकर तैयार हुई। अब इसे पब्लिक डोमेन में डाला गया है। यह रिपोर्ट बताती है कि गत वर्ष छठ पर्व अक्टूबर में था। उस समय यमुना इस बार की तुलना में कहीं अधिक प्रदूषित थी। तय मानकों के अनुसार यमुना में बीओडी का स्तर तीन एमजी प्रति लीटर या इससे कम होना चाहिए। यह नदी में जीवन बनाए रखने के लिए जरूरी है। पिछले साल भी महज पल्ला में ही यमुना में बीओडी के मानक पूरे हो पा रहे थे। इस बार अन्य सात जगहों पर भी बीते साल से बीओडी का स्तर कम हुआ है। कुछ जगहों पर तो इसमें 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। इसी तरह नदी में डीओ का स्तर पांच मिलीग्राम प्रति लीटर या इससे अधिक होना चाहिए। यह नदी के पानी में मौजूद आक्सीजन का स्तर है। यह जितना अधिक होता है, नदी उतनी ही स्वस्थ मानी जाती है। दोनों साल महज दो जगहों पल्ला और वजीराबाद में ही यह मानक पूरा हो सका था। लेकिन पिछले साल जहां पांच जगहों पर डीओ स्तर शून्य था वहीं इस बार केवल एक जगह पर ही यह शून्य दर्ज हुआ है। यानी इसके स्तर में भी पिछले साल की तुलना में सुधार हुआ है। दूसरी तरफ विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार अगर यमुना के पानी की गुणवत्ता अगर पिछले साल की तुलना में इस बार कम प्रदूषित है तो इसकी एक प्रमुख वजह बाढ़ भी है। जुलाई में यमुना में आई बाढ़ ने इसकी गंदगी भी कुछ हद तक साफ कर दी थी।

दिल्ली में प्रदूषण से कब मिलेगी राहत? पर्यावरण मंत्री ने बताया समय; हवा की गुणवत्ता को लेकर भी दिया बयान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की अगले दो तीन दिन में हवा की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि हवा की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद के कारण सरकार ने ग्रेप- 3 के निययों को जारी रखने का फैसला किया है।

वायु गुणवत्ता बेहतर होने की उम्मीद उन्होंने कहा कि मंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के बहुत खराब श्रेणी से बेहतर होने की उम्मीद है, लेकिन ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) III नियमों के तहत कुछ वाहनों पर प्रतिबंध जारी रहेगा। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि ग्रेप-3 के तहत, बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल वाहनों पर अभी भी प्रतिबंध है। 2-3 दिन में हवा में होगा सुधार गोपाल राय के मुताबिक, वैज्ञानिक कह रहे हैं कि आने वाले 2-3 दिनों में हवा की गुणवत्ता में सुधार होगा। ऐसे में यह निर्णय लिया गया है।

दिल्लीवासियों की सांसों पर संकट बरकरार, कई इलाकों में 400 के पार पहुंचा एक्यूआई

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक गुरुवार सुबह, जहांगीरपुरी में 434, बवाना में 441, द्वारका में 412, बुराड़ी में 441, आनंद विहार में 387, अशोक विहार में 386, एक्यूआई दर्ज किया गया है। देश की राजधानी दिल्ली में लोगों की सांसों पर संकट बरकरार है। राजधानी के कई इलाकों में हवा की दिशा बदलने व गति कम होने से आबोहवा फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक गुरुवार सुबह, जहांगीरपुरी में 434, बवाना में 441, द्वारका में 412, बुराड़ी में 441, आनंद विहार में 387, अशोक विहार में 386, एक्यूआई दर्ज किया गया है।

वहीं, दिल्ली-एनसीआर में कोहरे के साथ तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ रही है। दोपहर के समय धूप कम खिल रही है और सुबह-शाम ठंड बढ़ने लगी है। इससे दिल्ली में न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। बुधवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री से नीचे रहा। औसत अधिकतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से एक डिग्री कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार को कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। इससे ठिठुरन बढ़ेगी। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में और कमी आएगी। इधर, लोदी रोड में न्यूनतम तापमान 10.4, जफरपुर में 11.2, मुंगेशपुर में 11.3, नरेला में 12.1 डिग्री सेल्सियस रहा। पीतमपुरा में अधिकतम तापमान 27.6, नरेला में 27.4, स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में 26.7 डिग्री सेल्सियस

चुटकियों में दूध से लेकर दाल तक आसानी से पकड़ सकेंगे मिलावट, इस्तेमाल करना बेहद आसान

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। प्रगति मैदान में चल रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के स्टॉल पर एफएसएसएआई ने अपने मैजिक बॉक्स को रखा है। बॉक्स की मदद से 102 तरह की जांच की जा सकेंगी। दूध में स्टार्च तथा हल्दी, चावल और दाल में रसायन आसानी से पकड़ में नहीं आते। अक्सर लोग धोखे में इनका सेवन कर जाते हैं जो कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता दे सकते हैं, लेकिन अब मिलावट की पहचान तीसरी कक्षा के बच्चे भी आसानी से कर सकेंगे। यह संभव हो पाया है मैजिक बॉक्स से। इसकी ट्रेनिंग दी जा रही है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के इस मैजिक बॉक्स की मदद से तीसरी कक्षा से लेकर 10वीं तक में पढ़ने वाले बच्चे भी आसानी से पता लगा सकेंगे कि किस खाद्य पदार्थ में क्या मिलाया गया है। दरअसल प्रगति मैदान में चल रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के स्टॉल पर एफएसएसएआई ने अपने मैजिक बॉक्स को रखा है। बॉक्स की मदद से 102 तरह की जांच की जा सकेंगी। दूध हो जाएगा नीला दूध में हाइड्रोजन परॉक्साइड, अमोनिया, नाइट्रेट फर्टिलाइजर और न्यूट्रलाइजर सहित अन्य तत्वों को बढ़ाने के लिए अक्सर स्टार्च को मिलाया जाता है। यह आंतें, किडनी और लिवर के अलावा कई अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में इसकी पहचान के लिए मैजिक बॉक्स में आयोडीन सॉल्यूशन रखा गया है। दूध में इसकी कुछ बूंदें डालते ही दूध नीला पड़ जाता है। यदि दूध में पानी मिलाया जाए तो शीशे पर डालकर उसके बहने की गति से पकड़ा जा सकता है। इसी तरह से दूध में यदि यूरिया, डिटर्जन सोप, कॉस्टिक सोडा आदि मिलाया गया हो तो उसे भी आसानी से पकड़ा जा सकता है।

सरसों का तेल अधिकतर परिवार खाने में सरसों के तेल का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में कई व्यापारी इसमें मिलावट करते हैं। इस मिलावट को आसानी से पकड़ा जा सकता है। मैजिक बॉक्स में उपलब्ध नाइट्रिक एसिड की कुछ बूंदों को सरसों के तेल के सैंपल में डालना होगा। यदि तेल में मिलावट होगी तो वह पहले संतरी, फिर पीला और लाल रंग में बदल जाएगा। यह तेल में मिलावट को बताएगा। वहीं नारियल के तेल को फ्रिज में रखकर जमा लें। 60 से 90 मिनट के बाद उसे देखें। यदि जमे हुए हिस्से के ऊपर कुछ तरल दिखता है तो मिलावट होगी। गुड़ की ऐसे जांचें शुद्धता गुड़ को टेस्ट ट्यूब में डालकर पानी के साथ घोल लें। फिर इसमें एथिल अल्कोहल डाले। इसके बाद इस घोल में एचसीएल एसिड मिलाएं। यदि इन्हें मिलाने के बाद भी गुड़ के घोल का रंग न बदले तो गुड़ में कोई मिलावट नहीं है, यदि रंग बदलकर लाल हो जाता है।

HC ने पुलिस से मांगा जवाब, दुष्कर्म पीड़िता की पहचान उजागर करने पर राहुल गांधी के खिलाफ FIR की मांग

दिल्ली

उच्च न्यायालय ने रेप पीड़िता की पहचान उजागर करने पर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग वाली याचिका पर पुलिस को रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। आरोप है कि दिल्ली के एक श्मशान में नौ वर्षीय दलित लड़की के साथ दुष्कर्म और हत्या की कथित रूप से राहुल गांधी ने पहचान उजागर की थी।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायाधीश मिनी पुष्करणा की खंडपीठ ने पुलिस को 10 दिन में रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश देते हुए सुनवाई 21 दिसंबर तय की है। पीठ मकरंद सुरेश म्हाडलेकर नामक एक कार्यकर्ता द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर विचार कर रठी है, जिसमें गांधी के ट्वीट पर आपत्ति जताई गई थी, जिसमें मृत लड़की के माता-पिता की तस्वीरें थीं।

म्हाडलेकर ने कहा कि ये तस्वीरें पीड़ित लड़की की पहचान उजागर कर रही है और परिणामस्वरूप किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम (जेजे अधिनियम) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पोकसो अधिनियम) का उल्लंघन हैं। उन्होंने कहा कि किशोर न्याय अधिनियम की धारा 74 और पोक्सो अधिनियम की धारा 23(2) के अनुसार पीड़िता या उसके परिवार के सदस्यों की पहचान का खुलासा नहीं करने का आदेश है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के साथ-साथ राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की ओर से पेश वकील ने पीठ को बताया कि भले ही घटना लगभग तीन साल पहले हुई थी, लेकिन दिल्ली पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। एनसीपीसीआर के वकील ने कहा कि दिल्ली पुलिस को मामले में एफआईआर दर्ज करनी चाहिए। वहीं राहुल गांधी की ओर से पेश वकील तरन्नुम चीमा ने पीठ को बताया कि अदालत ने उन्हें औपचारिक नोटिस जारी नहीं किया है।

बेंच ने कहा कि वह पहले दिल्ली पुलिस की स्टेटस रिपोर्ट की जांच करेगी और फिर तय करेगी कि क्या करने की जरूरत है। मामला दिल्ली के पुराना नांगल इलाके में एक श्मशान घाट पर लगे कूलर पर पानी लेने गई नौ साल की बच्ची के साथ बलात्कार से संबंधित है, जब श्मशान घाट के पुजारी ने तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर इस क्रूर कृत्य को अंजाम दिया। इसके बाद गांधी ने लड़की के माता-पिता से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना देते हुए उनकी तस्वीरें उनके आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट की गईं। चार अगस्त, 2021 को एनसीपीसीआर ने ट्वीट का संज्ञान लिया और ट्विटर को गांधी के ट्वीट को हटाने का निर्देश दिया क्योंकि इसमें दुष्कर्म पीड़िता के परिवार के सदस्यों के बारे में संवेदनशील जानकारी थी।

जानें क्या है मामला

जानकारी के लिए बता दें कि दिल्ली कैंट एरिया में नौ साल की बच्ची की हत्या के बाद परिवार पर दबाव डालकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया था। बच्ची अपने माता-पिता के साथ श्मशान घाट के सामने किराए के घर में रहती थी।

मलक सिंह किसान आंदोलन में शामिल होकर बना था खालिस्तानी समर्थक, SFJ संस्थापक पन्नू ने दिया था यह झांसा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। मलक सिंह किसान आंदोलन के समय दिल्ली में तीन से चार बार आया था। यहीं पर खालिस्तान हैंडलर पन्नू के समर्थकों के संपर्क में आया। भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाली प्रतिबंधित सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू का गिरफ्तार गुर्गा मलक सिंह दिल्ली में हुए किसान आंदोलन के दौरान खालिस्तान से जुड़ा था। मलक सिंह किसान आंदोलन के समय दिल्ली में तीन से चार बार आया था। यहीं पर खालिस्तान हैंडलर पन्नू के समर्थकों के संपर्क में आया। इसके बाद यह पन्नू से बात करने लगा। दूसरी तरफ हैंडलर गुरपतवंत सिंह पन्नू ने उसे विदेश बुलाकर बड़ी नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। इस लालच में वह देश विरोधी नारे लिख रहा था। स्पेशल सेल के पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह खुलासा गिरफ्तार खालिस्तानी समर्थक मलक सिंह ने किया है। स्पेशल सेल ने आरोपी को सात दिन के रिमांड पर ले रखा है। रिमांड पर शनिवार को खत्म हो रहा है। आरोपी मलक सिंह ने बताया कि वह किसान आंदोलन में शामिल होने दिल्ली आया था। आंदोलन के दौरान वह खालिस्तान के समर्थकों के संपर्क में आया। यहां उसे खालिस्तान के पंफ्लेट मिले। खालिस्तान के यू-ट्यूब चैनल और उसकी आईडी के बारे में पता लगा। इसके बाद ये यू-ट्यूब चैनल फॉलो करने लग गया। मलक सिंह के खुलासे से दिल्ली पुलिस को ये पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि किसान आंदोलन में कुछ खालिस्तान समर्थक शामिल हो हुए थे। किसान आंदोलन में उसे पन्नू का मोबाइल नंबर व उसके बारे में अन्य जानकारियां मिली थीं। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी मलक सिंह पन्नू से बात करता रहता था। पन्नू ने उसे कहा था कि वह उसे जल्द ही कनाडा बुला लेगा। पन्नू ने उससे कहा था कि उसे बदले में भारत में खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखने होंगे। इसके बाद उसने देश-विरोधी नारे लिखने शुरू कर दिए।

उसने जी-20 व क्रिकेट विश्व कप के दौरान देश-विरोधी नारे लिखे थे। उसने गुरुग्राम में भी देश-विरोधी नारे लिखे थे। हालांकि गुरुग्राम पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की थी। एसीपी राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर मानसिंह, मंदीप व जयबीर की टीम ने मलक सिंह को रोहतक से गिरफ्तार किया है।

Delhi Police Constable भर्ती परीक्षा आंसर की पर ये है लेटेस्ट अपडेट

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को अब एसएससी की ओर से आंसर की जारी होने का इंतजार है जो एग्जाम संपन्न होने के साथ ही समाप्त हो जायेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए आंसर की दिसंबर 2023 माह के प्रथम सप्ताह में जारी किया जा सकता है। आंसर की जारी होने के बाद उसका लिंक ऑनलाइन माध्यम से स्टाफ सिलेक्शन कमीशन की ऑफिशियल वेबसाइट ssc.nic.in पर उपलब्ध करवा दिया जायेगा। इसके बाद आप मांगी गयी डिटेल्स दर्ज करके उत्तर कुंजी डाउनलोड कर सकेंगे। दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल आंसर की जारी होने के बाद आपको सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। वेबसाइट के होम पेज पर आपको आंसर की के लिंक पर क्लिक करना होगा। अब आपको नए पेज पर मांगी गयी डिटेल- जैसे रजिस्ट्रेशन नंबर एवं पासवर्ड दर्ज करना होगा।

जानकारी भरने के बाद उत्तर कुंजी एक नए पेज पर ओपन हो जाएगी जहां से आप इसे डाउनलोड कर सकते हैं। आंसर की डाउनलोड करने के बाद अभ्यर्थी इसके माध्यम से अपने सभी प्रश्न उत्तरों का मिलान कर सकते हैं। उत्तर कुंजी में दिए किसी उत्तर से असंतुष्ट होने पर अभ्यर्थी तय की गयी तिथियों में लॉग इन के माध्यम से उस पर आपत्ति दर्ज कर सकेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए उम्मीदवारों को अलग-अलग आपत्ति दर्ज करना होगा। अभ्यर्थियों को बता दें कि दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती के माध्यम से 7547 पदों पर भर्ती की जानी है। इस भर्ती की परीक्षा का आयोजन 3 दिसंबर 2023 को किया जा रहा है। भर्ती परीक्षा संपन्न होने के बाद आंसर की जारी कर दी जाएगी।

पीएचडी कक्षा में शामिल नहीं हो सकेगा हत्यारोपी, दिल्ली हाईकोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली। पीएचडी कक्षा में शामिल होने के आधार पर हत्या के आरोपित को अंतरिम जमानत देने से दिल्ली हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने टिप्पणी की कि निसंदेह प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है, लेकिन वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता हत्या जैसे संगीन अपराध का आरोपित है और अपराध की गंभीरता को देखते हुए उसके मामले पर उसी तरह से विचार किया जाना चाहिए। जमानत याचिका खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि अदालत यह समझने में विफल है कि याचिकाकर्ता ने ऐसे विश्वविद्यालय से पीएचडी करने का विकल्प क्यों चुना, जिसके लिए न्यायिक हिरासत में होने के बावजूद अनिवार्य रूप से पूर्णकालिक पीएचडी पाठ्यक्रम में भाग लेना आवश्यक है। जबकि, न्यायिक हिरासत में रहने वाले व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्त करने के लिए कई अन्य विकल्प उपलब्ध हैं। याचिकाकर्ता ने गुजरात विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए नियमित कक्षाओं में भाग लेने के आधार पर तीन महीने के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा करने की मांग की थी।

डीयू ने याद दिलाई फेस्टिवल के लिए गाइडलाइन, अब कॉलेजों की बारी

● जिन्हें मार्च के महीने में कॉलेजों में फेस्टिवल के आयोजन के लिए जारी किया गया था। हालांकि गाडलाइन में जितने नियम हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में नए साल के बाद फेस्टिवल का दौर शुरू हो जाएगा। इससे पहले दिल्ली विश्वविद्यालय ने सभी कॉलेजों को फेस्टिवल में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के लिए जरूरी इंतजामों की याद दिलाई है।

डीयू ने एक बार फिर उन गाइडलाइन को दोहराया है, जिन्हें मार्च के महीने में कॉलेजों में फेस्टिवल के आयोजन के लिए जारी किया गया था। हालांकि गाडलाइन में जितने नियम हैं, उस तरह से कॉलेजों के लिए फेस्टिवल का आयोजन करना चुनौती होगा।

सुरक्षा में चूक हुई होगी कार्रवाई

पिछले वर्ष इंद्रप्रस्थ कॉलेज फार विमन में फेस्टिवल के दौरान बाहरी छात्र प्रवेश कर गए थे। इसके बाद छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भारी हंगामा मचा था। इससे पहले मिरांड हाउस कॉलेज में दिवाली मेले के मौके पर बाहरी युवक दीवार फांदकर परिसर में चले गए थे। इससे पहले गार्गी कॉलेज में भी ऐसा ही प्रकरण हुआ था। सात महीने बीते, लेकिन दिल्ली विश्वविद्यालय में नियुक्त नहीं हो सका लोकपाल हाल ही में आइआइटी दिल्ली में छह अक्टूबर को फैशन शो के दौरान डीयू के भारती कॉलेज की छात्राओं का सफाईकर्मी ने कपड़े बदलते वक्त वीडियो बना लिया था। इसका संज्ञान हाई कोर्ट ने लिया था। डीयू की प्राक्टर प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि मार्च में आइपी कॉलेज की घटना हुई थी। हमें संसदीय समिति ने इसके लिए हमे पूछा था। आइआइटी दिल्ली के प्रकरण के बाद हाई कोर्ट ने चिंता जताई थी। इसलिए दोबारा से उन्हीं गाइडलाइन को जारी कर दिया गया है। कॉलेजों को फैस्टिवल का आयोजन इन्हीं के अनुसार करना होगा। अगर कोई भी घटना होती है तो कॉलेज उसके लिए उत्तरदायी होंगे। सुरक्षा में चूक हुई तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। कॉलेजों को करने होंगे यह इंतजाम फेस्टिवल आयोजन से पहले फायर विभाग से लेना होगा अनापत्ति प्रमाण पत्र बगैर आइकार्ड के किसी को नहीं दिया जाएगा प्रवेश। कॉलेज के बाहर के छात्रों के लिए रखने होंगे विशेष इंतजाम कॉलेज की क्षमता के अनुसार ही छात्रों को किया जाएगा आमंत्रित कार्यक्रम से पहले दिल्ली पुलिस के सहयोग से कॉलेजों में सुरक्षा रिहर्सल करानी होगी कॉलेज/विभाग की चारदीवारें अगर नीची हों तो तारें लगानी होंगी, ताकि बाहरी लोग ना घुस पाएं कॉलेज और छात्रावास के सभी गेटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। अगर बाहरी छात्रों को आमंत्रित किया जा रहा है, तो पहले दिल्ली पुलिस, फायर, बिजली विभाग, कॉलेज और विश्वविद्यालय की सिक्योरिटी, कॉलेज प्रतिनिधि, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी जैसे सभी हितधारकों के साथ पहले ही बैठक करनी होगी। जरूरत पड़ने पर पुलिस से डोर फ्रेम मैटेलिक डिटेक्टर किराए पर लेने को कहा है। आयोजन स्थल पर पर्याप्त रोशनी, मंच की मजबूती को जांचने को कहा है। कॉलेज के वालंटियर्स को टापी और बैज देने को कहा गया है, ताकि उन्हें आसानी से ढूंढा जा सके।

संक्षिप्त खबरें

वाईफाई कनेक्शन के बाद महिला पर बना रहा दोस्ती का दबाव

गाजियाबाद। एक सोसायटी में फ्लैट पर वाईफाई लगाने के बाद इंटरनेट प्रदान करने वाली कंपनी का कर्मचारी महिला पर दोस्ती का दबाव बना रहा है। महिला ने इंदिरापुरम पुलिस को मनचले के खिलाफ मुकदमा कराया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। महिला का कहना है कि समीर खान नाम का कर्मचारी उनके फ्लैट पर कंपनी से वाईफाई लगाने आया था। पहले दिन वह पैसे लेकर चला गया। इसके बाद दो बार कनेक्शन के काम से घर पहुंचा। इस बीच उन्हें दोस्ती का ऑफर किया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। आरोप है कि समीर ने दोस्ती का दबाव बनाने के लिए पति को कई बार फोन करके धमकी दी। इसके अलावा घरेलू सहायिका के माध्यम से अंजाम भुगतने की धमकी दी। विरोध करने पर उसने गाली-गलौज व अभद्रता की।

सस्ते हुए फ्लैट तो पूछताछ के लिए बढ़ी भीड़

गाजियाबाद। आवास विकास परिषद ने सिद्धार्थ विहार और वसुंधरा योजना में फ्लैट सस्ते किए तो अब पूछताछ करने वाले लोगों की भीड़ जुट रही है। दिवाली की छुट्टियों के बाद से अब तक तीन सौ से अधिक लोग योजना की जानकारी ले चुके हैं। वहीं आवंटियों की सुविधाओं के लिए विभाग ने भी कई हेल्प डेस्क बनाए हैं। परिषद के वसुंधरा कार्यालय में बुधवार को दोपहर एक बजे तक 20 से अधिक लोग पंजीकरण की जानकारी के लेने पहुंचे थे। वहीं ऑनलाइन भी कई लोगों ने पूछताछ की। संपत्ति कर विभाग के अधिकारी सुनील शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन 50 से अधिक लोग पूछताछ कर रहे हैं ऐसे में अधिक से अधिक फ्लैट बिकने की उम्मीद है। लोग सिद्धार्थ विहार के फ्लैटों की अधिक जानकारी ले रहे हैं। वहां छूट के बाद अब टू बीएचके की कीमत 51 लाख के करीब है। वहीं शिखर एंक्लेव में टू-बीएचके की कीमत 76 लाख हो गई है। संपत्ति विभाग अधिकारी ने बताया कि फ्लैट के लिए ऑनलाइन ही पंजीकरण होगा, ऐसे में लोग पहले ऑनलाइन पूछताछ कर रहे हैं। तीन जगह बनाया गया हेल्प डेस्क फ्लैट बेचने के लिए आवास विकास परिषद की ओर से न केवल वसुंधरा कार्यालय बल्कि सभी योजनाओं में हेल्प डेस्क लगाया गया है। मंडोला योजना और सिद्धार्थ विहार में सोसायटी के बाहर परिषद की टीम लोगों को योजना की जानकारी दे रही है। सरकारी विभागों से करेंगे संपर्क समूह में फ्लैट बुक कराने के लिए परिषद की टीम सभी सरकारी विभागों से भी संपर्क करेगी। टीम जीडीए, नगर निगम, शिक्षा विभाग आदि विभागों में जाकर शिविर लगाएगी और लोगों को इस योजना के बारे में बताएगी। किसी एक विभाग में 25 या इससे अधिक फ्लैट एक साथ बुक किए जाते हैं तो उन्हें जो तय छूट है उसमें 5 प्रतिशत अधिक की छूट दी जाएगी।

पिस्टलनुमा लाइटर के साथ फोटो वायरल, युवक गिरफ्तार

गाजियाबाद। विजयनगर क्षेत्र के रहने वाले एक युवक का पिस्टलनुमा हथियार के साथ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि फोटो चार साल पुराना था और हाथ में जो हथियार दिख रहा है वह लाइटर है। एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि मामले में उपनिरीक्षक सतीश धामा की ओर मुकदमा दर्ज कराया गया है। पकड़ा गया युवक मोहित गुर्जर है। वह डेयरी संचालक है। उसके पास से पिस्टलनुमा लाइटर बरामद कर लिया है।

आज से सात दिन तक हापुड़ की ओर नहीं जा सकेंगे भारी वाहन, रूट डायवर्जन जारी

एडीसीपी ने वाहन चालकों से असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करने की अपील की है।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। ऐसे में लोगों की सुविधा के लिए हापुड़ पुलिस से समन्वय बनाकर गाजियाबाद पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान जारी किया है। बृहस्पतिवार से सात दिन तक हापुड़ की ओर भारी वाहन नहीं जा सकेंगे। कार्तिक पूर्णिमा मेला गढ़मुक्तेश्वर-2023 के लिए गढ़ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जाने से जाम की स्थिति बन जाती है। ऐसे में लोगों की सुविधा के लिए हापुड़ पुलिस से समन्वय बनाकर गाजियाबाद पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान जारी किया है। बृहस्पतिवार से सात दिन तक हापुड़ की ओर भारी वाहन नहीं जा सकेंगे।

एडीसीपी यातायात रामानंद कुशवाहा ने बताया कि अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ की ओर जाने वाले भारी वाहन गाजियाबाद से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से बुलंदशहर, डिबाई, नरौरा, बबराला, बहजोई, चंदौसी होकर आगे जाएंगे या फिर लाल कुआं से एनएच-91 से बुलंदशहर डिबाई, नरौरा, बबराला, बहजोई, चंदौसी होकर आगे जाएंगे। एडीसीपी ने वाहन चालकों से असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करने की अपील की है। जगह-जगह पुलिस तैनात की गई है। मेले के लिए 26 से 28 तक चलेगी शटल मेले को देखते हुए गढ़मुक्तेश्वर में छह एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव होगा। इसके अलावा 26, 27 व 28 नवंबर को भीड़ बढ़ने की वजह से शटल ट्रेन का संचालन दिल्ली से गढ़मुक्तेश्वर तक कराने का निर्णय लिया है। इस दौरान बुलंदशहर-दिल्ली के बीच शटल ट्रेन बंद रहेगी। इस ट्रेन में बुलंदशहर के दिल्ली, गाजियाबाद ड्यूटी करने वाले लोग ज्यादातर सफर करते हैं। इसी वजह से बुलंदशहर के यात्रियों को थोड़ी दिक्कत हो सकती है। जीआरपी सीओ ने बताया कि एक्सप्रेस ट्रेनों का सामान्य दिनों में गढ़मुक्तेश्वर में ठहराव नहीं है। मेले को देखते हुए इनका ठहराव गढ़मुक्तेश्वर स्टेशन पर किया है। हापुड़ में आज से लागू होगा रूट डायवर्जन प्लान गढ़ गंगा कार्तिक मेले के लिए पुलिस ने हाईवे-9 पर भारी वाहनों के लिए दोपहर 12 बजे से रूट डायवर्ट कर दिया। ब्रजघाट की ओर आने जाने वाले भारी वाहनों को अलग-अलग मार्गों से निकाला जाएगा। यातायात प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह ने बताया कि बुधवार दोपहर 12 बजे से 29 नवंबर की रात 12 बजे तक यह योजना लागू रहेगी। पुलिस ने जनपद से बाहरी हिस्सों से आने वाले और जिले से मुरादाबाद की ओर जाने वाहनों के लिए अलग अलग प्लॉन जारी किया है। भारी वाहनों में ट्रक, बस और अन्य व्यवसायिक शामिल हैं। वाहनों के लिए व्यवस्था दिल्ली से मुरादाबाद जाने वाले वाहन दिल्ली से वाया डासना ईस्टर्न पेरीफेरल रोड सिकंदराबाद (बुलंदशहर) बुलंदशहर - नरौरा डिबाई -बबराला - बहजोई चंदौसी होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। गजरौला से दिल्ली एंव गाजियाबाद की ओर जाने वाला यातायातः गजरौला चौपला से वाया मंडी धनौरा चांदपुर- हल्दौर - बिजनौर मीरापुर बैराज मवाना मेरठ से गाजियाबाद होते हुए जाएंगे। भारी वाहन लाल कुआं से दादरी, सिकंदराबाद तथा डासना से पेरीफेरल एक्सप्रेसवे होते हुए बुलंदशहर, नरोरा, बबराला होकर मुरादाबाद जाएंगे।

जिले में लिंगानुपात 970 से हुआ 944, शासन से पड़ी फटकार

गाजियाबाद। जिले में प्रति एक हजार लड़कों पर लड़कियों की संख्या 970 से घटकर 944 होने पर लखनऊ में आयोजित समीक्षा बैठक में पीसीपीएनडीटी नोडल अधिकारी को फटकार लगी है। अधिकारी इस गड़बड़ी के लिए निजी और सरकारी प्रसव केंद्रों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। बैठक के दूसरे दिन नोडल अधिकारी ने सभी निजी और सरकारी प्रसव केंद्रों को नोटिस जारी कर पोर्टल पर बेटियों के जन्म की सूचना मांगी है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (एनएफएचएस) के अनुसार पिछले पांच साल के दौरान जिले में एक हजार लड़कों के मुकाबले 1182 लड़कियों का जन्म हुआ, लेकिन जिले में छह वर्ष तक के बच्चों का लिंगानुपात एक हजार लड़कों पर 945 लड़कियों का है। जन्म के समय वर्ष 2022 में लिंगानुपात 970 पर था। इस वर्ष जन्म के समय लिंगानुपात कम होकर 944 तक पहुंच गया है। प्रदेश स्तर पर यह लिंगानुपात 926 का है। प्रसव केंद्र नहीं दर्ज करा रहे सूचना नोडल डॉ. चरण सिंह का कहना है कि जिले में लिंगानुपात में ज्यादा अंतर नहीं है लेकिन प्रसव केंद्रों की ओर से जन्म लेने वाले बच्चों का ऑनलाइन पंजीकरण करने में लापरवाही की जा रही है।

बाइक व ट्रैक्टर-ट्रॉली की भिड़ंत में मासूम समेत दो की मौत

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद । कोतवाली क्षेत्र के परतापुर रोड पर बाइक और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में चार वर्षीय मासूम और बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक पर बैठी महिला घायल हो गई। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गाजियाबाद स्थित पहलापुरी निवासी नौशाद की पत्नी अफसाना अपने चार वर्षीय पुत्र अजान को लेकर रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव शामली आई हुई थी। मंगलवार की रात अजान की तबीयत खराब होने पर बुधवार को अफसाना एक रिश्तेदार आदिल के साथ बाइक पर उसे दवा दिलाने के लिए पिलखुवा जा रही थी। शामली-परतापुर मार्ग पर सामने से आ रही ट्रैक्टर-टॉली से बाइक की जबरदस्त भिड़ंत हो गई, जिसमें अजान की मौके पर मौत हो गई। जबकि अफसाना और पहलापुरी निवासी आदिल गंभीर रूप से घायल हो गए। भिड़ंत इतनी भयंकर थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर छोड़कर भाग गया। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए रामा मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान आदिल की भी मौत हो गई। एसएचओ सुमन कुमार सिंह का कहना है कि अभी तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं आई है, तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। ट्रैक्टर-ट्रॉली और क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में ले लिया गया है।

दो दिन बाद गाड़ी में खून से लथपथ मिले बैंक्वेट हॉल संचालक

वहां से डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखकर कौशांबी के यशोदा अस्पताल रेफर कर दिया।

परिवहन विशेष न्यूज

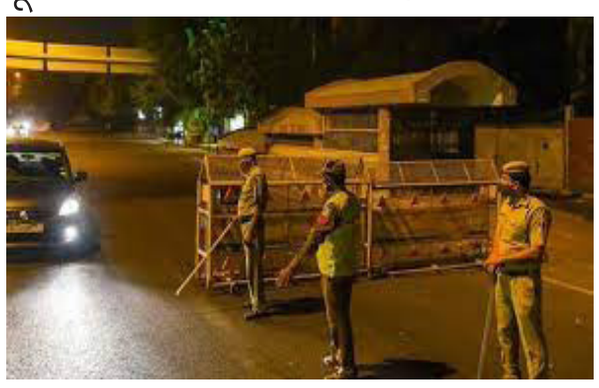

गाजियाबाद। राजेंद्र नगर सेक्टर-3 में बैंक्वेट हॉल संचालक रजनीश (45) के पिता राजवीर सिंह ने बुधवार को कोतवाली पुलिस को बेटे पर हमले की शिकायत दी है। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक कर रही है। उन्होंने बताया कि रजनीश 18 नवंबर से इनोवा गाड़ी लेकर गायब थे। परिजन और बैंक्वेट हॉल का स्टाफ जगह-जगह तलाश रहा था। उनका फोन भी बंद था। 20 नवंबर की सुबह साढ़े सात बजे प्रबंधक को एक परिचित शाहिद कुरैशी ने रजनीश की गाड़ी राजेंद्र नगर में खड़ी होने के बारे में बताया। परिजन मौके पर पहुंचे तो वह खून से लथपथ चालक के बराबर वाली सीट के पीछे बेहोश पड़े मिले। घायल हालत में परिवार के लोग तुरंत मोहन नगर के एक अस्पताल ले गए। वहां से डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखकर कौशांबी के यशोदा अस्पताल रेफर कर दिया। पिता के मुताबिक, बेटे के सिर, नाक व पसलियों में फ्रैक्चर है। डॉक्टर आईसीयू में उनका उपचार कर रहे हैं। उन्होंने घटनास्थल पर होटल के कैमरे चेक कराए तो गाड़ी से एक व्यक्ति निकलता नजर आ रहा था। उन्होंने बेटे पर हमले की शिकायत देकर पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। एसीपी भास्कर वर्मा का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज से युवक की पहचान कर उसे जल्द पूछताछ के लिए हिरासत में लिया जाएगा। कमरे में करंट लगने से युवक की मौत माई सिटी रिपोर्टर साहिबाबाद। राजेंद्र नगर के सत्यम एंक्लेव में बुधवार को चालक राजा तौसीफ की करंट लगने से मौत हो गई। परिजन झुलसी हालत में मोहन नगर के अस्पताल ले गए थे। पुलिस ने बताया कि कमरे में सोते हुए चालक को करंट लग गया था। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। परिजनों से तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

छह ट्रेनों का गढ़ में होगा ठहराव, 26, 27 व 28 नवंबर को चलेगी शटल

गाजियाबाद। मेले को देखते हुए गढ़मुक्तेश्वर में छह एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव होगा। इसके अलावा 26, 27 व 28 नवंबर को भीड़ बढ़ने की वजह से शटल ट्रेन का संचालन दिल्ली से गढ़मुक्तेश्वर तक कराने का निर्णय लिया है। इस दौरान बुलंदशहर-दिल्ली के बीच शटल ट्रेन बंद रहेगी। इस ट्रेन में बुलंदशहर के दिल्ली, गाजियाबाद ड्यूटी करने वाले लोग ज्यादातर सफर करते हैं। इसी वजह से बुलंदशहर के यात्रियों को थोड़ी दिक्कत हो सकती है। जीआरपी सीओ ने बताया कि एक्सप्रेस ट्रेनों का सामान्य दिनों में गढ़मुक्तेश्वर में ठहराव नहीं है। मेले को देखते हुए इनका ठहराव गढ़मुक्तेश्वर स्टेशन पर किया है। बढ़ाई सुरक्षा : जीआरपी निरीक्षक अनुज मलिक ने बताया कि गढ़मुक्तेश्वर मेले में जाने वालों की संख्या आज बृहस्पतिवार से बढ़नी शुरू हो जाएगी। 25 से लेकर 28 नवंबर तक ज्यादा भीड़ स्टेशन पर होगी।

शराब के लिए नहीं था पैसा, इसलिए की रेल इंजन में चोरी

गाजियाबाद। लोकोशेड में खड़े ट्रेन के इंजन के स्पेयर पार्ट्स चोरी करने के मामले में आरपीएफ ने सात लोगों को गिरफ्तार किया। आरपीएफ के मुताबिक, चार दोस्तों ने शराब पीने के लिए पैसा नहीं होने पर ट्रेन के इंजन में चोरी करने की योजना बनाई थी। चार चोरों के अलावा पुलिस ने लोहा खरीदने वाले तीन कबाड़ियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी किया लोहा भी बरामद कर लिया। आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त एसएस गबरियाल ने बताया कि दो दिन पहले लोकोशेड के पास खड़े इंजन के स्पेयर पार्ट्स चोरी हो गए थे। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई। इस दौरान पुलिस ने साहिल, अजरूददीन, रमेश व हनी निवासी सिहानी गाजियाबाद को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की तो उन्होंने चोरी की घटना को अंजाम देने की बात कबूली। उन्होंने बताया कि वह शराब पीने के आदी हैं, उनके पास शराब पीने के लिए पैसा नहीं था। इसलिए उन्होंने ट्रेन के इंजन के स्पेयर पार्ट्स चोरी करने की योजना बनाई।

महिला अस्पताल में पहली बार बदला गया 15 दिन के नवजात का पूरा खून

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। पीलिया से गंभीर रूप से बीमार 15 दिन के नवजात का जिला महिला अस्पताल में पहली बार पूरा खून बदला गया। इलाज के बाद बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है। अस्पताल में पूरा इलाज निशुल्क हुआ है, जबकि निजी अस्पताल में इसका खर्च डेढ़ से दो लाख रुपये आता है। बच्चे का पीलिया स्तर 33.24 एमजी प्रति डीएल होने से खून पूरी तरह संक्रमित हो चुका था। सामान्य तौर पर यह शून्य से 1.2 के बीच होता है। बुधवार को बच्चे को डिस्चार्ज कर दिया गया। मुरादनगर निवासी नासिर की पत्नी गुलफशां (25) का प्रसव 15 नवंबर की सुबह 4:28 बजे मुरादनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ था। जांच में पता चला कि नवजात का पीलिया का स्तर गंभीर स्तर तक बढ़ गया है। खून में संक्रमण खतरनाक स्थिति में पहुंचने की वजह से बच्चे की हालत लगातार नाजुक हो रही थी।

सीएचसी से बच्चे और मां को 18 नवंबर को जिला महिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। महिला अस्पताल में बच्चे को स्पेशल न्यूबोर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में शिफ्ट कर दिया गया। दो घंटे में बच्चे का बदला गया खून बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिशा ने बताया कि महिला का ब्लड ग्रुप एबी नेगेटिव और बच्चे का ब्लड ग्रुप बी पॉजिटिव था। ऐसे में पीलिया की वजह से खून तेजी से संक्रमित हो रहा था। बच्चे की हालत नाजुक होती देख पीलिया की रोकथाम के लिए फोटो थैरेपी दी गई, लेकिन इससे आराम नहीं मिला। 22 नवंबर को एसएनसीयू की चिकित्सक डॉ. शिखा, डॉ. मोनिशा, नर्सिंग स्टाफ संजीव, अलका, उमा और रीना ने डबल वॉल्यूम एक्सचेंज ट्रांसफ्यूजन (शरीर से खून बदलना) की प्रक्रिया शुरू की और दो घंटे की मशक्कत के बाद आरएच फैक्टर से नवजात का खून बदलकर नया कर दिया। महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. सुमाता तालिब ने बताया कि अस्पताल में डबल वॉल्यूम एक्सचेंज ट्रांसफ्यूजन का यह पहला मामला है। इसके लिए स्टाफ और चिकित्सक बधाई के पात्र हैं। मां और बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। सीएमएस ने कहा कि स्टॉफ को प्रोत्साहित करने के लिए शासन को पत्र लिखा जाएगा।

भूमाफिया महबूब अली की छह करोड़ की संपत्ति ध्वस्त

उन्होंने बताया कि यूपी नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा-14 व 15 के प्रावधानों के तहत संपत्ति को ध्वस्त किया।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद । भूमाफिया महबूब अली पर प्रशासन की टीम ने बुधवार को पांच दिनों में दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। जीडीए टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में महबूब अली की दौलतनगर कॉलोनी स्थित दो मंजिला करीब 6 करोड़ रुपये की संपत्ति को जेसीबी चलाकर ध्वस्त कर दिया। टीम ने आगे भी कार्रवाई की बात कही है। प्रवर्तन जोन-8 के प्रभारी लवकेश कुमार ने बताया कि अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत टीम बुधवार को लोनी के दौलतनगर कॉलोनी पहुंची थी। यहां भूमाफिया महबूब अली की करीब 200 वर्गमीटर की संपत्ति मानक के अनुरूप नहीं बनी थी। पूर्व में पुलिस ने इस मकान को सील किया था। उन्होंने बताया कि यूपी नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा-14 व 15 के प्रावधानों के तहत संपत्ति को ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान आसपास के मकानों को खाली कराया गया। इलाके की बिजली को भी कटवाया गया। ध्वस्तीकरण के दौरान धूल का गुब्बारा बन गया। संपत्ति की कीमत करीब 6 करोड़ रुपये बताई गई है। कार्यवाहक एसीपी सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इससे पहले पुलिस ने इस संपत्ति पर कुर्की की कार्रवाई की थी। लोनी क्षेत्र का भूमाफिया महबूब अली पर 24 मुकदमें दर्ज हैं। पूर्व में गैंगस्टर की कार्रवाई महबूब अली पर हुई। इससे पहले पुलिस ने महबूब अली की रामपुर, दिल्ली नागलौई, बदायूं, लोनी, मुरादाबाद समेत अलग-अलग करीब 167 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क की है। पूर्व में रामपुर पुलिस ने महबूब अली को गिरफ्तार किया था।

गाजियाबाद शहर में आज होंगी 600 शादियां, सड़कों पर निकलेगी बारात; लग सकता है जाम

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। देवोत्थान एकादशी का त्योहार बृहस्पतिवार को मनाया जाएगा। देव जागने के साथ इस दिन अनबूझ साया होने की वजह से शहर में बड़ी संख्या में शादी होंगी। जिसके लिए शहर भर के लगभग सभी बैक्वट हाल पहले से ही बुक हो गए हैं। कब से शुरू होगा मलमास? शहर के सभी बैक्वट हाल, सामुदायिक भवन, पार्क आदि जगहों पर करीब 600 शादी होंगी। इस साल 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक करीब 10 वैवाहिक मुहूर्त होंगे। इसके बाद मलमास शुरू हो जाएगा। देवोत्थान एकादशी को भक्त तुलसी विवाह का भी आयोजन करते हैं। कुछ लोग इसी अवसर पर अपने एकादशी व्रत का उद्यापन भी करके अपने व्रत का समापन कर देते हैं। कब तक है वैवाहिक मुहूर्त? ज्योतिषाचार्य शिव कुमार शर्मा ने बताया कि 22 नवंबर को चातुर्मास समाप्त हो रहा है। 23 नवंबर को देवोत्थान एकादशी को अनबूझ साया होगा। देवोत्थान एकादशी पर ऐसा माना जाता है कि जिनकी शादियां अन्य किसी महीने में अथवा तिथि में नहीं सूझ रही हैं तो इस दिन किसी विद्वान से परामर्श किए बिना भी बिना वैवाहिक मुहूर्त निकलवाए विवाह कर सकते हैं। 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक 10 वैवाहिक मुहूर्त हैं। ये हैं 10 वैवाहिक मुहूर्त इस साल 23, 24, 27, 28, 29 नवंबर और तीन, चार, सात, आठ, व नौ दिसंबर को दिसंबर को वैवाहिक मुहूर्त हैं।

टीबी अस्पताल का राम ही रखवाला, शाम होते ही लटक जाता है ताला

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। तीन जिलों के टीबी के गंभीर मरीजों के लिए संचालित जिला टीबी अस्पताल रामभरोस चल रहा है। सुबह को ओपीडी समय से नहीं चलती है। दोपहर बाद ही अधिकांश स्टाफ गायब हो जाता है। शाम होते ही अस्पताल के गेट पर ताला लग जाता है।

यदि कोई मरीज भर्ती होता है तो उसे इमरजेंसी या फिर दिल्ली रेफर कर दिया जाता है। यह स्थिति तब है जबकि सीएमओ का आवास अस्पताल से ही सटा हुआ है। टीबी के मरीजों की संख्या कम होने की जगह बढ़ रही है। टीबी अस्पताल में सामान्य और एमडीआर मरीजों का इलाज 24 घंटे होता है। इसके लिए दो चिकित्सक तैनात हैं। गंभीर मरीजों को भर्ती करने और उनके खानपान का बेहतर इंतजाम हैं। यदि मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है तो यह बेहद लापरवाही है। इसकी जांच कराई जाएगी। दोषी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

घर बुलाकर दोस्तों संग पीटा, कपड़े उतरवाकर बनाया वीडियो, की ये मांग

इंदिरापुरम में गे-डेटिंग एप से चेट कर युवक को घर बुलाकर अश्लील वीडियो बनाकर धमकी देने का मामला सामने आया है। वसुंधरा सेक्टर 14 में अपने घर ले जाकर युवक ने दोस्तों के साथ मिलकर पीटा और ऑनलाइन पैमेंट से हजारों रुपये एठे हैं। गाजियाबाद स्थित इंदिरापुरम के प्रताप विहार के रहने वाले शादीशुदा व्यक्ति को गे-डेटिंग एप से चेट कर युवक ने वसुंधरा सेक्टर 14 में अपने घर बुलाया। पांच दोस्तों के साथ मिलकर पीटा और जबरन अश्लील वीडियो बनाए। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर क्रेडिट कार्ड से दो बार में 20,476 रुपये पेटीएम कर लिए। व्यक्ति ने बृहस्पतिवार को इंदिरापुरम थाने में तहरीर दी। घर बुलाकर युवक की पीटा व्यक्ति ने बताया कि पिछले दिनों मोबाइल में ग्रिंडर गे व लेसबियन एप इंस्टाल की थी। कई लोगों से चेट होने लगी। एक युवक ने चेट के माध्यम से बुधवार को अपने घर मिलने के लिए बुला लिया। व्यक्ति बुधवार सुबह दस बजे सेक्टर 14 में अटलांटिका अस्पताल पहुंचा और वहीं अपनी बाइक खड़ी कर दी।

ई-बसों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए गुड न्यूज, कार्ड से टिकट लेने पर किराए में मिलेगी भारी छूट

अब नगर ने विकास विभाग उत्तर प्रदेश में इसमें बदलाव किया गया है। ई-बसों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए वन यूपी-वन कार्ड (कामन मोबिलिटी कार्ड) की शुरूआत की गई है।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। जिले में 50 ई-बसों का संचालन किया जा रहा है। अभी तक इन बसों में कैश देकर ही टिकट लिया जा सकता था। अब नगर ने विकास विभाग उत्तर प्रदेश में इसमें बदलाव किया गया है। ई-बसों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए वन यूपी-वन कार्ड (कामन मोबिलिटी कार्ड) की शुरूआत की गई है। यह कार्ड यात्री को चालक-परिचालकों से निश्शुल्क मिलेगा। ई-बसों में वन यूपी-वन कार्ड की सुविधा हुई शुरू जिले में वर्तमान में 50 ई-बसों का किया, 150 बसें अभी और आनी हैं। ई-बसों में सफर करने वाल यात्रियों के लिए राहत की खबर है। अब ई-बसों में कामन मोबिलिटी कार्ड से टिकट लेने वाले यात्रियों को किराए में 10 फीसदी की छूट मिलेगी। यह कार्ड यात्री को चालक-परिचालकों से निश्शुल्क मिलेगा। जिले में 50 ई-बसों का संचालन किया जा रहा है। अभी तक इन बसों में कैश देकर ही टिकट लिया जा सकता था। अब नगर ने विकास विभाग उत्तर प्रदेश में इसमें बदलाव किया गया है। ई-बसों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए वन यूपी-वन कार्ड (कामन मोबिलिटी कार्ड) की शुरूआत की गई है। इस कार्ड का उपयोग जिले के अलावा उत्तर प्रदेश में कहीं भी ई-बस से यात्रा करते समय ले सकेंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि यात्री अगर कार्ड से टिकट लेगा तो उसे दस फीसदी की छूट मिलेगी। अगर वह कैश देकर टिकट लेगा तो उसे कोई लाभ नहीं मिलेगा। यात्री को पूरा किराया देना होगा। इसका उद्देश्य कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देना है। अभी तक कार्ड की सुविधा केवल मेट्रो में ही थी। हालांकि मेट्रो में कोई छूट नहीं दी जाती है। यात्री को हर यात्रा पर पूरा किराया देना होता है। ई-बसों में ऐसा नहीं होगा। यात्री को टिकट लेते समय ही 10 फीसदी की छूट मिल जाएगी। एक दिन में 150 से अधिक यात्रियों ने लिए कार्ड ई-बसों में सफर करने के लिए बुधवार को करीब 150 यात्रियों ने कार्ड खरीदा है। बसों में कार्ड के बारे में यात्रियों को जागरूक किया जाएगा। परिचालक जब यात्री की सीट पर टिकट देने जाएंगे तो उन्हें इससे मिलने वाले लाभ के बारे में बताएंगे। छूट मिलेगी तो लोग कार्ड के प्राथमिकता देंगे। सात हजार यात्रियों को इसका सबसे ज्यादा मिलेगा लाभ ई-बसों से रोजाना 10 हजार से अधिक यात्री सफर करते हैं। इनमें से सात हजार यात्री ऐसे हैं जो इन बसों से रोजाना सफर करते हैं। रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को इसका सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा।

किफायती कीमत में ADAS सेफ्टी फीचर से लैस गाड़ियों की लिस्ट, Hyundai से लेकर MG Astor तक शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश में कई दमदार गाड़ियां मौजूद है, वहीं आज के समय में लोग सेफ्टी के लेकर काफी सर्तक भी हो गए हैं। जिसके कारण वाहन निमार्ता कंपनियां भी अउ्अर तकनीक से कारें लेकर आ रही है। आज के समय में कोई भी अपने लिए एक नई कार ले रहा है तो सबसे पहले वो सेफ्टी फीचर्स की ओर ध्यान देता है। सबसे अहम सेफ्टी फीचर में से एक अउ्अर है। क्या आप भी अपने लिए एक नई किफायती कीमत में अउ्अर सेफ्टी फीचर से लैस कार खरीदने की सोच रहे हैं तो आज हम आपके लिए मार्केट में मौजूद गाड़ियों की लिस्ट लेकर आ रहे हैं।

Hyundai Venue

Hyundai ने हाल ही में अपनी कार को नए अपडेट किए है। इसमें भी एडास लेवल 1 की सेफ्टी फीचर्स मिलती है। ये वेरिएंट एसएक्स (ओ) है। इस कार की शुरूआती कीमत 12.35 लाख रुपये है। इसमें आपको कई दमदार सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। जैसे- लेन कीप असिस्ट, फॉरवर्ड कोलिजन-अवॉइडेंस असिस्ट और लेन फॉलो असिस्-फीचर्स मिलते हैं।

Honda City इंडियन मार्केट में ये कार कई समय से राज कर रही है। इसमें कई सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। इस कार की शुरूआती कीमत 12.51 लाख रुपये से शुरू होती है। इसमें क्रूज कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट और कोलिजन मिटिगेशन ब्रेकिंग सिस्टम भी मिलता है।

Hyundai Verna

इस कार के एसएक्स ट्रिम में एडास सेफ्टी फीचर मिलता है। इस कार की शुरूआती कीमत 14.66 लाख रुपये से शुरू होती है। इसमें आपको कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। जैसे- फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग एंड अवॉइडेंस, ब्लाइंड स्पॉट कोलिजन वार्निंग, एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल और लेन कीप एंड फॉलो असिस्ट मिलता है।

Honda Elevate

इस कार में कई सेफ्टी फीचर मिलते हैं। इसके साथ ही इसके टॉप-एंडे वेरिएंट में ADAr मिलता है। इस कार की शुरूआती कीमत 14.90 लाख रुपये में आती है। इसमें एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल और लेन कीप असिस्ट जैसे फीचर मिलते हैं।

MG Astor

MG भारतीय बाजार में लग्जरी कार बनाने के लिए ही जानी जाती है। इसमें सेफ्टी फीचर्स के तौर पर ऑटोनोमस इमरजेंसी ब्रेकिंग, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन ,एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल,लेन कीप असिस्ट जैसे फीचर्स मिलते हैं। इस कार की शुरूआती कीमत 17 लाख रुपये है।

CNG और Petrol Car में किसी एक को चुनने में कन्फ्यूजन? इन तरीकों से जानिए आपके लिए कौन है बेहतर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश में लगातार ग्रीनर फ्यूल सॉल्यूशन की ओर लोगों की रुचि बढ़ रही है। इस वजह से देश के ऑटोमोबाइल मार्केट में इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और सीएनजी वाहनों की मांग बढ़ी है। हालांकि, कुछ लोग अभी भी पेट्रोल इंजन वाली कारों को लेकर ज्यादा उदारवादी हैं। एक ओर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर समस्या है, तो वहीं दूसरी ओर डीजल-पेट्रोल वाली गाड़ियां काफी महंगी साबित हो रही हैं। अगर आप इस बात को लेकर कंन्फ्यूज हैं कि CNG AüSX Petrol उ१ में आपके लिए कौन बेहतर है, तो इस लेख में हम इससे संबंधित कुछ जानकारी लेकर आए हैं। इसकी मदद से आप ये डिसाइड कर सकेंगे कि आपके लिए क्या बेहतर होने वाला है।

CNG AüSX Petrol कारों में कौन बेहतर ?

नई कार खरीदने वालों के लिए यह एक आम समस्या है कि वे केवल पेट्रोल वाली कार खरीदें या पेट्रोल-सीएनजी कार। निर्णय लेने में आपकी सहायता के लिए हम कुछ जानकारी लेकर आए हैं। मुख्य अंकर की बात करें, तो सीएनजी कारों के लिए पावर आउटपुट एक समस्या है, क्योंकि पेट्रोल मोड की तुलना में सीएनजी मोड में पावर कम हो जाती है। अगर आप ऐसे वाहन की तलाश में हैं, जो बेहतर पावर आउटपुट प्रदान करे तो आपके लिए केवल पेट्रोल इंजन वाला वाहन बेहतर रहेगा।

उठऋ३१२ की ज्यादा डिमांड क्यों ?

सीएनजी कारों की इतनी अधिक मांग और बिक्री कई कारकों से प्रेरित है। सीएनजी पेट्रोल या डीजल की तुलना में काफी सस्ती है। साथ ही ये काफी बेहतर फ्यूल एफिशियंशी प्रदान करती है।

3 लाख के बजट में शानदार लुक और दमदार इंजन के साथ आती है ये प्रीमियम बाइक्स, KTM से लेकर Triumph तक शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हर महीने कई बाइक्स लॉन्च होती है। लोग अपने अपने बजट अनुसार बाइक्स को सेलेक्ट करते हैं। मार्केट में कई प्रीमियम बाइक्स मौजूद है। जिनकी कीमत 3 लाख रुपये तक है। क्या आप भी प्रीमियम बाइक्स के शौकीन है और अपने लिए एक नई बाइक खरीदने की सोच रहे हैं तो आज हम आपको इस खबर के माध्यम से मार्केट में मौजूद प्रीमियम बाइक्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

KTM 390 Adventure x

भारतीय बाजार में इस बाइक की कीमत 2.81 लाख रुपये है। इसमें 373 सीसी का सिंगल-सिलेंडर मोटर मिलता है जो 42.9ुँस्र और 37ठे का टॉर्क जनरेट करता है। इसे छह -स्पीड के गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। इसमें एलईडी, डिजिटल एलसीडी और एबीएस जैसे फीचर्स मिलते हैं। ये ऑफ रोडिंग के लिए भी दमदार है।

TVS Apache RTR 310

मार्केट में ये सबसे दमदार बाइक में से एक है। ये एक शानदार इंजन और फीचर लोडेड बाइक है। इसका डिजाइन बिल्कुल नया है। इस बाइक के पूरे बॉडी पर मस्कुलर बॉडी वर्क किया गया है। इसमें सिंगल पॉड हेडलाइट है। इसमें पांच राइड मोड मिलते हैं- अर्बन, रेन, स्पोर्ट, ट्रैक और सुपरमोटो। इसमें 312.2ू, लिक्विड-कूल्ड मोटर है। जो 9,7009p पर 35.08bhp और 6,6509स्रे पर 28.7ठे का टॉर्क जनरेट करता है। इसकी कीमत 2.42 लाख रुपये है।

Harley-Davidson X440

अगर आप प्रीमियम बाइक्स के शौकीन है और अपने लिए एक दमदार बाइक खोज रहे हैं तो ये आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। ये सबसे किफायती हार्ले -डेविडसन बाइक है। जिसे आप खरीद सकते हैं। ये कुल तीन वेरिएंट में आती है। इसमें आपको कई कलर ऑप्शन मिलता है। इसमें 440ू, सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड मोटर मिलता है। इसे छह -स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। इसकी कीमत 2.40 लाख रुपये है।

Triumph speed 400

ट्रायंफ स्पीड 400 में 300 -400 सीसी का सेगमेंट मिलता है। इस बाइक कीमत 2.33 लाख रुपये है। इसमें 399 सीसी का इंजन मिलता है। जो 39.5bhp और 37.5ठे का टॉर्क जनरेट करती है। ये बाइक एक ही वेरिएंट में आती है।

Toyota Infova Hycross का बढ़ता क्रेज, वेटिंग पीरियड 18 महीने के पार, कीमत 25.30 लाख रुपये से शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टोयोटा एक ऐसी कंपनी है जो टॉप 5 गाड़ियों की लिस्ट में शामिल रहती ही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, पिछले महीने अक्टूबर 2023 में इसकी कुल 20,542 गाड़ियां सेल हुई थी। बढ़ती डिमांड के कारण सप्लाई तेजी से नहीं हो रही है। इस बात का अंदाजा हम इससे लगा सकते हैं कि टोयोटा इनोवा हाई क्रॉस का वेटिंग पीरियड 12 महीने तक का है। वहीं हाई क्रॉस के हाइब्रिड वेटिंग पीरियड पर 18 महीने तक का है। चलिए आपको इस कार के बारे में बताते हैं आखिर इसमें क्या कुछ खास है, जिसके कारण इसे इतना अधिक पसंद किया जाता है। टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस पेट्रोल और हाइब्रिड दोनों इंजन ऑप्शन में आती है। ये एमपीवी कई दमदार फीचर्स से लैस है। इस कार में सेफ्टी फीचर्स के तौर पर 6 एयरबैग के साथ अउ्अर फीचर भी मिलता है। इसमें हाइब्रिड वेरिएंट की शुरूआती कीमत 25.30 कीमत रुपये है। वहीं इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 29.62 लाख रुपये है। हाइब्रिड कुल 5 वेरिएंट में आती है। इस कार का लुक और डिजाइन काफी दमदार है। जिसके कारण ये दिखने में काफी बोल्ड लगती है। इसमें चंकी बम्पर, हनीकॉम्ब मेश ग्रिल, स्लीकर हेडलैम्प्स और अपराइट प्रोफाइल भी मिलता है। इसमें 18-इंच के बड़े अलॉय, पतले बॉडी क्लैडिंग, टेपिंग रूफ, 100े लंबा व्हीलबेस, रैप अराउंड छएउ्टेल लाइट्स को जोड़ा गया है। इस कार का मुकाबला - मारुति की छ6, अर्टिगा के टॉप वेरिएंट, इनोवा क्रिस्टा सहित 6-7 सीटर गाड़ियों से है। इस कार में दो पावरट्रेन का ऑप्शन मिलता है। इसका पहला इंजन 2.0 लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 174ढर की पावर और 205ठे का पीक टॉर्क जनरेट करती है। ट्रांसमिशन के लिए इस वेरिएंट को सीवीटी गियरबॉक्स भी दिया गया है। वहीं दूसरी ओर इसमें 2.0 लीटर का स्ट्रॉन हाइब्रिड इंजन भी मिलता है। जो 113ढर के मोटर के साथ 152ढर की पावर और 187ठे का टॉर्क जनरेट करती है। ये e-CVT के ट्रांसमिशन से लैस है। कार की माइलेज 21.1`स्र' का है। इस कार का इंटीरियर काफी दमदार है। इसमें 7-इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 10-इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो, एपल कारप्ले,डुअल 10-इंच रियर टचस्क्रीन सिस्टम, अउ्अर फीचर्स, एम्बिएंट लाइटिंग, खइछ साउंड सिस्टम, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी, एडजस्टेबल कैप्टन सीट्स, सनरूफ भी मिलता है। इसमें सेफ्टी के लिए 6 एयरबैग मिलता है।

अक्टूबर में रहा Yamaha की इस धांसू बाइक का जलवा बिकी सबसे अधिक यूनिट्स, जानें इसमें क्या कुछ खास

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में यमाहा मोटर इंडिया ने अक्टूबर में जमकर ब्रिकी की है। इसमें सबसे अधिक ब्रिकी यामाहा FZ की हुई है। यामाहा त्र्म्में कंपनी के पास कुल चार मॉडल है। इसमें FZS 25, FZ 25, FZS FI और FZ FI शामिल हैं। इसमें कई अलग-अलग वेरिएंट भी मिलता है। वाहन निमार्ता कंपनी ने त्र्की पिछले महीने कुल 18 हजार से अधिक यूनिट की सेल की है। वहीं अक्टूबर 2022 में 20,440 यूनिट की सेल हुई है। कंपनी ने पिछले महीने कुल 67,784 यूनिट्स की सेल की। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से इस बाइक के बारे में बताने जा रहे हैं। आखिर इस मोटरसाइकिल में क्या कुछ खास है जिसके कारण इसे इतना पसंद किया जा रहा है।

Yamaha F कीमत और फीचर्स

मार्केट में इस मोटरसाइकिल की कीमत 1.05 लाख रुपये से शुरू होती है। इस बाइक का लुक काफी शानदार है। इसके इंजन की बात करें तो इसमें 149ू एयर-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलता है। जो 7,250 RPM पर 12.2 bhp की पावर और 5,500 RPM पर 13.3 ठे का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 5 स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। इसमें रेगुलर टेलीस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स, एक 7-स्टेप एडजस्टेबल रियर मोनो-शॉक, एक वाइड हैंडलबार भी मिलता है। इसके साथ ही इसमें 282े फ्रंट का डिस्क और 220े रियर डिस्क ब्रेक सिंगल-चैनल ABS मिलता है। इसमें 13 लीटर का फ्यूल टैंक भी मिलता है।

Yamaha FZ सेफ्टी फीचर्स

इसमें ब्लूटूथ से चलने वाला यामाहा मोटरसाइकिल कनेक्ट एक्स फीचर भी है। इसके साथ ही इसमें ई-लॉक, लोकेट माय बाइक, हैजार्ड आदी भी है। इसके साथ ही सेफ्टी के तौर पर सिंगल चैनल एबीएस, एलईडी हेडलाइट, 140े का वाइड रियर रेडियल टायर भी मिलता है। इस बाइक के एग्जॉस्ट सिस्टम को बेहतर आवाज देने के लिए ही तैयार किया गया है। FZS Fक्पांच पेंट स्कीम मैट रेड (नया), डार्क मैट ब्लू, मैट ब्लैक, डार्क नाइट और विंटेज में बिकने के लिए आती है।

कार में टायर के साथ करें ये दो काम, बिना खर्च किए ज्यादा समय तक चलेंगे, जानें सबकुछ

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली

अगर आप अपनी कार के टायर को बदलने में समय से पहले खर्च नहीं करना चाहते। तो किन बातों का ध्यान रखकर ऐसा किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

कार में एवरेज के अलावा कई लोग इस बात की शिकायत करते हैं कि उनकी कार के टायर काफी जल्दी खराब हो जाते हैं। लेकिन अगर दो खास बातों का ध्यान रखा जाए तो आसानी से टायर की उम्र को बढ़ाया जा सकता है। हम इस खबर में आपको ऐसी जानकारी दे रहे हैं, जिससे बिना अतिरिक्त खर्च किए टायर की उम्र को बढ़ाया जा सकता है।

करें यह काम

अगर आप अपनी कार के पुराने टायर को ज्यादा लंबे समय तक चलाना चाहते हैं तो टायर रोटेशन करवाना सबसे सही काम होता है। टायर रोटेशन के कारण पुराने टायरों को ही ज्यादा समय तक आसानी से चलाया जा सकता है। साथ ही टायर अलाइनमेंट करवाकर भी टायर को जल्दी घिसने से बचाया जा सकता है। इससे नए टायर खरीदने में होने वाले खर्च को बचाया जा सकता है।

क्यों जरूरी है टायर रोटेशन

टायर रोटेशन किसी भी कार के लिए इसलिए जरूरी होता है क्योंकि कार के आगे के दोनों पहियों पर पीछे के पहियों के मुकाबले ज्यादा भार होता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कार का इंजन आगे की ओर होता है। अगर टायर का समय पर रोटेशन ना किया जाए तो आगे के टायर समय से पहले घिस जाते हैं और हादसा होने का खतरा बढ़ जाता है।

कब करवाएं रोटेशन

जानकारों के मुताबिक हर तीन से पांच हजार किलोमीटर के बाद कार के टायर को रोटेशन में बदलवाना चाहिए। इसके लिए अंग्रेजी के एक्स शब्द के मुताबिक टायर रोटेट करने चाहिए। इससे आगे के टायर पीछे की ओर जाते हैं और पीछे के टायर आगे की ओर आते हैं। तो टायर बराबर मात्रा में घिसते हैं। जिससे लंबे समय तक इनको बदलवाने की जरुरत नहीं पड़ती।

सीमित संसाधनों पर जनसंख्या का बोझ

वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या चीन के बाद दूसरे नंबर पर हैहमारे सामने अभी जनसंख्या विस्फोट की बड़ी समस्या है` पर विगत 20 वर्षों से पूरे विश्व के उपभोक्ता सामानों के उत्पादक कंपनियां इसे बड़ी पोटेंशियलिटी यानी बड़ी ताकत मानती है,अभी भारत की जनसँख्या अनुमानित 140 करोड के लगभग है पर हिंदुस्तान में 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 121 करोड़ जनसंख्या निवास करती है' यह विश्व की जनसंख्या की 17.4% होती है स्वतंत्रता प्राप्ति के समय की जनसंख्या 36 करोड़ थी, और आज हम 140 करोड़ से कहीं ऊपर जा चुके हैं` आज के उपभोक्तावादी समय में कोई इसे बड़ी समस्या मानने को तैयार नहीं है` राजनेता वोटो की राजनीती के चलते इस पर मौन साधे बैठे हुए हैइसकी तरफ कोई ध्यान भी देने को राजी नहीं है`

मशहूर अर्थशास्त्री माल्थस ने कहा है कि जनसंख्या ज्यामितिय अनुपात में आगे बढ़ती है, और उत्पादन अंक गणित के हिसाब से आगे बढ़ता है उन्होंने यह कहा है कि जनसंख्या के अत्यधिक बढ़ जाने से उसे महामारी तथा प्राकृतिक विपदा से अपने नियंत्रण में कर लेती है जनसंख्या के संदर्भ में यह बात सही ही उतरती है करोना ने पूरी वैश्विक जनसंख्या को जिस तरह अपने संक्रमण में लिया था, और लाखों लोगों को मौत के घाट उतारो ऐसे में अर्थशास्त्री माल्थस की भारत के सन्दर्भ में भविष्यवाणी सच होती दिखाई देती है वैसे तो भारत में जनसंख्या के विस्फोट के कई कारण हैं, जिनमें जन्म मृत्यु का असंतुलन, कम उम्र में विवाह, अत्यधिक निरक्षरता,धार्मिक दृष्टिकोण, निर्धनता मनोरंजन के साधनों की कमी, एवं अंधविश्वास हैं पर आज वैश्विक स्थिति में भारत बड़ी उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के लिए एक बहुत बड़ा और सशक्त आर्थिक स्थिति पैदा करने वाला बाजार है

इस बाजार में आधिपत्य जमाने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत में तेजी से पैर फैलाने की कोशिश कर रही है भारत तथा विश्व में होने वाले ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भारत की सुंदरियों को विश्व का खीताब जिताने के पीछे उपभोक्तावाद संस्कृति का ही बड़ा हाथ है इसके पीछे सौंदर्य प्रसाधनों को हिंदुस्तान की जनता को ज्यादा से ज्यादा बेचना भी था आज हिंदुस्तान की 121 करोड़ जनता को रोजमर्रा के सामान बेचने के लिए देशी विदेशी कंपनियों की होड़ लगी हुई है

भारत में सबसे ज्यादा अमेजॉन विदेशी कंपनी द्वारा भारत में ऑनलाइन सामान बेचने का रिकॉर्ड ही बन गया है आज इतनी बड़ी जनसंख्या को अनाज तथा भोजन बनाने के सामान को लेकर विश्व की दो बड़ी कंपनियां आमने-सामने हो गई हैं विदेशी कंपनी अमेजन आक्रामक रूप से भारत में अपनी मौजूदगी तथा अस्तित्व को बनाए रखने के लिए तेजी से प्रयासरत है उसे पूरी आशा है कि वह उभरते हुए मार्केट पर अपना कब्जा बनाए रखेगी वहीं दूसरी तरफ भारत की बहुत बड़ी कंपनी रिलायंस भी ई-कॉमर्स मार्केटिंग में घरेलू सामानों को बेचने पर अमादा है

दोनों बड़ी कंपनियों में आज बहुत बड़े तनाव की स्थिति आ गई है विशेषज्ञों का कहना है कि अमेजॉन के साथ रिलायंस कंपनी का भविष्य कानून की लड़ाई के उपरांत ई-कॉमर्स का भविष्य ही निर्धारित होगो अमेजॉन के संस्थापक जैफ बेजॉस ने अमेजॉन को वैश्विक पैमाने पर रिटेल के धंधे को परिवर्तित करके रख दिया है पर रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी जो कथित रूप से भारत के सबसे अमीर व्यक्ति हैं उनका इतिहास भी किसी भी कानूनी अथवा बाजार की लड़ाई में हारने वालों में नहीं रहा है

अब अमेजॉन तथा रिलायंस के सामने मुसीबत खड़ी हो गई है कि दोनों कंपनियों द्वारा भारत की एक भारतीय रिटेल कंपनी फ्यूचर रिटेल ग्रुप के साथ अलग-अलग सौदे किए हैं यदि भारत की रिलायंस कंपनी को फ्यूचर रिटेल ग्रुप से सौदे की मंजूरी मिल जाती है तो रिलायंस कंपनी को रिटेल में उसकी पहुंच भारत के 420 शहरों में अट्ठारह सौ से 2000 हजार स्टोर तक हो जाएगी क्योंकि रिलायंस के पास पैसा राजनैतिक ताकतदोनों है,जो कि व्यापार के लिए अति आवश्यक होती हालांकि ई-कॉमर्स व्यवसाय में रिलायंस कंपनी को अभी बहुत कुछ हासिल करना है, उस उस क्षेत्र में महारत हासिल नहीं है और यदि अमेजॉन सफल होती है,तो रिलायंस कंपनी को एक बड़ा नुकसान भी झेलना पड़ सकता है

मैं और मेरा मोटापा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वर्ष 2022 के शुरूआती दिनों में मेरा वजन एक सौ दस किलो से थोड़ा ज्यादा था। आज यानि बाईस की विदाई के वक्त दो किलो वजन कम हो गया है। मामला ध्यान देने लायक है। सरकार गलतबयानी और आंकड़ों की बाजीगरी में माहिर है। कृपया ध्यान दें कि यहां सरकार का मतलब गृह सरकार से है। उन्होंने वजन में दो किलो की कमी को स्वास्थ्य के लिए अच्छा संकेत माना। उन्होंने अपने बाएं हाथ से दाएं हाथ पर ताली भी बजाई और कहा कि सरकार के प्रयासों के अच्छे परिणाम अब दिखने लगे हैं। उन्होंने भी झिझकते हुए उन्हें बधाई दी।

ह्लेकिन सर! मैंने वजन कम करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया है !ह्व हम हैरान थे। ₹प्रयास!! ।।।आम आदमी यानि जनता कब प्रयास करती है!? ।।।सब कुछ सरकार को करना है। सरकार की मांग में आपके नाम का सिन्दूर भरा है। आपके भोजन का जिम्मेदार कौन है?₹ कपड़े, नींद और जागना?! शायद तुम्हें पता न हो, लेकिन दिन-रात तुम्हें ही दुख होता है। मैंने तुम्हारा घी-तेल कम कर दिया, मिठाइयां और आटा कम कर दिया, महंगा पेट्रोल बचाने के लिए पैदल चलने की आदत डाल दी। याद करो, तुम्हें किसने बनाया धर्म ध्यान करो और सप्ताह में दो बार उपवास करो? पूरे साल शरीर मंदी का शिकार रहा और तुम्हें पता ही नहीं चला।ह्व सरकार ने प्रेस नोट जैसा जवाब जारी किया। मुझे याद आया कि ये सब तो हुआ था। उनका लक्ष्य अपना दो दो किलो कम करना था, जो हासिल कर लिया गया। मुझे नहीं पता था कि सरकारी योजनाएं इतनी चमत्कारी होती हैं। लेकिन मां और दोनों बहनें इससे खुश नहीं थीं। उन्होंने अपना वजन दो किलो कम होने को चिंता का विषय बताया। यह भी संकेत दिया कि सरकार की जनविरोधी नीतियों के गंभीर परिणाम होंगे जो भविष्य में घातक साबित होंगे। जब मेरी माँ सत्ता में थीं, तो मेरा शरीर चाँद की तरह बढ़ गया। जिस दिन मुझे पता चला कि मेरा वजन 110 किलो से ज्यादा हो गया है, मेरी मां ने मुझे बादाम का लड्डू बनाकर खिलाया था।

कांग्रेस नेताओं के अपशब्द क्या कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकते हैं ?

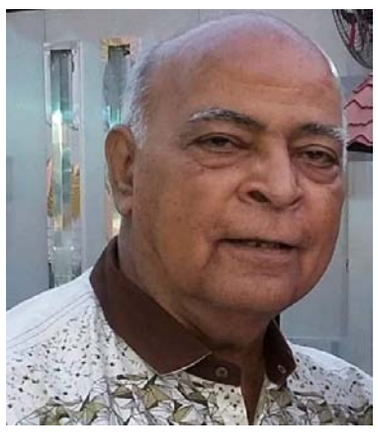

लेखक : अशोक भाटिया

> मोदी अपनी रैलियों में खरगे के बयान का हवाला देकर कहते हैं कि कांग्रेस के बड़े बड़े नेता उनके स्वर्गीय पिता को भी गालियां दे रहे हैं। खगे ने इस पर सफाई देते हुए कहा उन्होंने अपनी मां और सभी भाई बहनों को सात साल की उम्र में खो दिया था, वह परिवारजनों को खोने का दुख समझते हैं। उन्होंने मोदी तो छोड़िए किसी के परिवार वालों के खिलाफ कभी कुछ नहीं कहा, लेकिन मोदी बार बार झूठ बोलते हैं, क्योंकि वो झूठों के सरदार हैं। अभी तक कांग्रेस के नेताओं ने पुराने अनुभवों से कुछ नहीं सीखा है । कांग्रेस को पुराना इतिहास याद रखना चाहिए ।

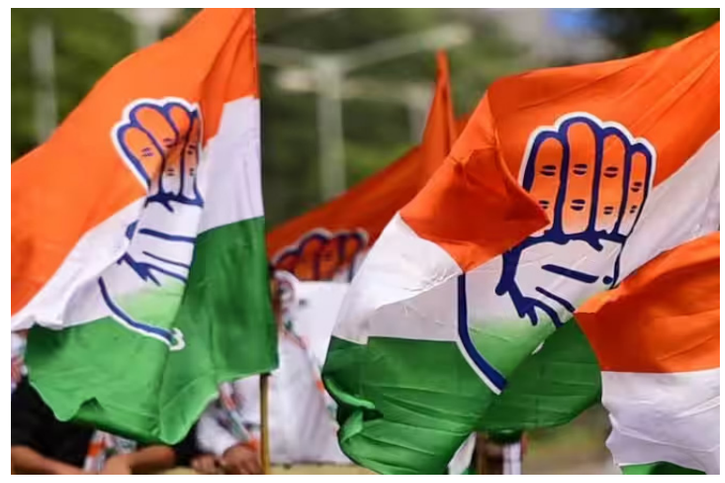

राहुल गांधी ने मंगलवार को राजस्थान के एक चुनावी रैली में कहा, 'पनौतीह्वपनौतीह्वपनौतीह्व हमारे लड़के विश्व कप जीतने की राह पर थे लेकिन पनौती ने उन्हें हरा दिया ह्वइस देश के लोग जानते हैं।" राजस्थान के भरतपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा था कि जेब कतरा कभी अकेला नहीं आता, तीन लोग होते हैं। एक सामने से आता है, एक पीछे से आता है और एक दूर से देखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काम आपके ध्यान को इधर-उधर करने का है। वे सामने से टी.वी। में आते हैं और हिंदू-मुस्लिम, नोटबंदी, जी एस टी कहते हैं। पीछे से अडानी आता है और आपका पैसा उठाकर ले जाता है। दूसरी तरफ से अमित शाह देखते हैं कि किसी को पता न लग जाए, दबाकर लाठी मारूंगा। मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी को झूठों का सरदार कह दिया। जयराम रमेश ने मोदी का मतलब ह्यमास्टर ऑफ ड्रामा इन इंडियाह्व बता दिया। अब तक कांग्रेस और भाजपा के नेता राजस्थान में एक दूसरे पर तीखे हमले कर रहे थे, एक दूसरे की नीतियों की आलोचना कर रहे थे, अपनी अपनी गारंटी और वादे जनता के सामने रख रहे थे, मुद्दों पर आलोचना हो रही थी। किसी ने एक दूसरे पर पर्सनल अटैक नहीं किए थे लेकिन मंगलवार को राहुल गांधी ने इसकी भी शुरूआत कर दी। राहुल ने जो कहा वो राजनीतिक नजरिए से, भाषा की मयार्दा की दृष्टि से, और चुनावी कैंपेन के गणित के लिहाज, हर तरह से गलत है। प्रधानमंत्री को पनौती कहना किसी लिहाज से ठीक नहीं है। इसे कोई उचित नहीं ठहरा सकता। कांग्रेस के सभी बड़े नेता आजकल चुनाव प्रचार के दौरान मोदी पर हमले करते हैं लेकिन शब्दों की मयार्दा का थोड़ा बहुत ध्यान रखते हैं । फिर राहुल गांधी ने ऐसा क्यों किया? इसको समझने की जरूरत है। असल में राहुल गांधी पिछले कई सालों से बार बार ये कहते हैं कि वो अकेले ऐसे नेता हैं, जो मोदी से नहीं डरते, वो मोदी के खिलाफ लड़ने वाले अकेले बहादुर नेता हैं, कांग्रेस के नेताओं के साथ मीटिंग में वो कई बार पार्टी के नेताओं को इस बात के लिए डांट चुके हैं कि वो मोदी पर सीधे हमले क्यों नहीं करते। गुलाम नबी आजाद जब कांग्रेस में थे तो उन्होंने ये बात कही भी थी। फिर ₹23 के मेंबर्स ने कांग्रेस अध्यक्ष को चिट्ठी लिखकर राहुल गांधी की इसी तरह की बातों की शिकायत की थी लेकिन राहुल नहीं माने। राहुल उसके बाद मोदी पर लगातार इसीलिए पर्सनल अटैक करते हैं ताकि वह दिखा सकें कि वही अकेले ऐसे हिम्मत वाले नेता हैं जो मोदी के खिलाफ बिना डरे कुछ भी कह सकते हैं। लेकिन इस चक्कर में राहुल सेल्फ गोल कर देते हैं राहुल के देखा देखी मंगलवार को मल्लिकार्जुन खरगे और जयराम रमेश ने भी मोदी पर इसी तरह के सेल्फ गोल किये। खरगे ने मोदी को झूठों का सरदार कहा। मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस का मेनिफेस्टो जारी करने के लिए आए थे। मोदी अपनी रैलियों में खरगे के बयान का हवाला देकर कहते हैं कि कांग्रेस के बड़े बड़े नेता उनके स्वर्गीय पिता को भी गालियां दे रहे हैं। खगे ने इस पर सफाई देते हुए कहा उन्होंने अपनी मां और सभी भाई बहनों को सात साल की उम्र में खो दिया था, वह परिवारजनों को खोने का दुख समझते हैं। उन्होंने मोदी तो छोड़िए किसी के परिवार वालों के खिलाफ कभी कुछ नहीं कहा, लेकिन मोदी बार बार झूठ बोलते हैं, क्योंकि वो झूठों के सरदार हैं। अभी तक कांग्रेस के नेताओं ने पुराने अनुभवों से कुछ नहीं सीखा है । कांग्रेस को पुराना इतिहास याद रखना चाहिए । 2007 में गुजरात विधानसभा चुनावों के दौरान सोनिया गांधी ने मोदी को मौत का सौदागर कहा। कांग्रेस बुरी तरह हारी। 2014 में लोकसभा चुनावों के दौरान राहुल गांधी ने मोदी को खून का दलाल बताया। मणिशंकर अय्यर ने चाय बेचने वाला घटिया इंसान कहा। कांग्रेस बुरी तरह हारी। मोदी प्रधानमंत्री बन गए, पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। 2017 में कर्नाटक चुनाव के दौरान मणिशंकर ने मोदी को नीच कहा। फिर कांग्रेस हारी, भाजपा की सरकार बनी। 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक की रैली में राहुल ने ह्यचौकीदार चोर हैह्व का नारा दिया, फिर ये कहा कि ह्यसारे चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता हैह्व। इस पर उन्हें गुजरात के कोर्ट में सजा भी हुई लेकिन कांग्रेस का लोकसभा चुनाव में सफाया हो गया। मोदी पहले से ज्यादा बहुमत से जीते। 2022 में गुजरात चुनाव के समय खरगे ने मोदी को रावण बता दिया। कांग्रेस फिर हारी। इतने सारे उदाहरण होने के बाद भी कांग्रेस के नेता समझ नहीं रहे हैं कि जनता बाकी सब बर्दाश्त कर सकती है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपशब्दों को लोग अच्छा नहीं मानते। राजस्थान में अब तक कांग्रेस का कैंपेन अच्छा भला चल रहा था। अशोक गहलोत खुद कमान संभाल हुए थे। प्रियंका गांधी की रैलियां हो रही थी। कहीं कोई गड़बड़ नहीं हुई लेकिन राहुल गांधी पहुंचे, सारा गुड़गोबर कर दिया। अब कांग्रेस के स्थानीय नेता परेशान हैं, कहीं राहुल गांधी का कैम्पेन भाजपा के लिए वरदान साबित न हो जाए। देखा जाय तो जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, उनमें भाजपा को सबसे ज्यादा उम्मीद राजस्थान से है। यहां पिछले पांच साल से कांग्रेस की सरकार है, कांग्रेस में आपसी झगड़े हैं, चाहे पेपर लीक का आरोप हो या लाल डायरी का, ये आरोप कांग्रेस के नेताओं ने ही अशोक गहलोत पर लगाए हैं। इसीलिए ये भाजपा के काम आ रहे हैं। दूसरी तरफ उदयपुर में कन्हैया लाल की हत्या और राजस्थान में हुए दंगे अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की रैलियों के लिए अच्छा खासा मसाला बन गए हैं।

गहलोत के वादों पर एतबार नहीं कर रहे लोग

लेखक : रमेश सर्राफ धमोरा

> गहलोत मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना की बहुत तारीफ करते घूमते हैं तथा चुनावी घोषणा पत्र में भी उसे बढ़ाकर 50 लख रुपए प्रति परिवार तक करने का वादा किया है। मगर प्रदेश के 95 फीसदी निजी अस्पतालों में यह योजना चल ही नहीं रही है। सिर्फ सरकारी अस्पतालों में चल रही है जहां की व्यवस्था का तो भगवान ही मालिक है। यदि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत चिरंजीवी योजना की राशि को पहले के तरह ही रखकर उसे सभी निजी अस्पतालों में हर बीमारी के उपचार के लिए लागू करवा देते तो प्रदेश की जनता को अधिक फायदा मिलता।

राजस्थान विधानसभा का चुनावी संग्राम अंतिम दौर में पहुंच चुका है। सभी राजनीतिक दलों के नेता अपनी-अपनी पार्टी के पक्ष में धुआंधार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले दो वर्षों से कह रहे हैं कि हम राजस्थान में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज तोडेंगे और लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित करेंगे। इसके लिए अशोक गहलोत साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपना रहे हैं। यहां तक की उन्होंने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट की तारीफ करने में भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। सरकार की वापसी के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मतदाताओं को लुभाने के लिए पिछले काफी समय से तरह-तरह की योजनाएं चला रहे थे। अब उन्होंने चुनावी ब्रह्मास्त्र के रूप में अपनी सरकार की तरफ से लोगों को सात गारंटी देने की घोषणा की है। साथ ही यह भी कहा है की सरकार रिपीट होने पर इन सातों गारंटी को लागू कर आम जनता को इनका फायदा पहुंचाया जाएगा। मगर गहलोत के साथ वही बात हो रही है कि बहुत देर कर दी हुजूर आते-आते। राजस्थान के मतदाताओं को गहलोत की गारंटी के ऊपर एतबार नहीं हो रहा है। लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जब पूरे पांच साल लगातार सरकार चलाई तब इन सब बातों पर अमल क्यों नहीं किया। अब गारंटी देकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। गहलोत सरकार ने प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को घरेलू कनेक्शन पर 100 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त उपलब्ध करवा रही है। मगर दूसरी तरफ विद्युत कंपनियां पिछले 3 साल की ऑडिट के नाम पर बहुत से घरेलू उपभोक्ताओं से बकाया वसूली के रूप में पांच हजार से बीस हजार रुपए तक का बकाया निकाल कर वसूल रही है। इससे लोगों का गहलोत सरकार के प्रति विश्वास डगमगा गया है। लोगों का कहना है कि जहां हरियाणा में वृद्धावस्था पेंशन 2500 प्रतिमाह है। वही राजस्थान में चुनाव के नजदीक आने पर सरकार ने उसे बढ़ाकर 1000 किया है। प्रदेश में आज ऐसे बहुत से वरिष्ठ नागरिक है जिनके जीवन बसर का कोई साधन नहीं हैं। ऐसे में यदि वरिष्ठ जनों की पेंशन में बढ़ोतरी होती तो उनको जीवन बसर करने में बहुत सुविधा होती। मगर सरकार ऐसा करने में फेल रही है।

गहलोत मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना की बहुत तारीफ करते घूमते हैं तथा चुनावी घोषणा पत्र में भी उसे बढ़ाकर 50 लख रुपए प्रति परिवार तक करने का वादा किया है। मगर प्रदेश के 95 फीसदी निजी अस्पतालों में यह योजना चल ही नहीं रही है। सिर्फ सरकारी अस्पतालों में चल रही है जहां की व्यवस्था का तो भगवान ही मालिक है। यदि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत चिरंजीवी योजना की राशि को पहले के तरह ही रखकर उसे सभी निजी अस्पतालों में हर बीमारी के उपचार के लिए लागू करवा देते तो प्रदेश की जनता को अधिक फायदा मिलता। मगर ऐसा हो नहीं पाया है। चुनाव की घोषणा के कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री ने उज्ज्वला योजना में महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की और जब भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में सरकार बनने पर साढ़े चार सो रुपए में सभी महिलाओं को हर माह एक गैस सिलेंडर देने की बात कही तो मुख्यमंत्री भी अब 400 में सिलेंडर देने की बात कहते घूम रहे हैं। मगर कांग्रेस सरकार ने उक्त योजना को सिर्फ उज्वला के लाभार्थियों तक ही सीमित रखा। जबकि ऐसे बहुत से परिवार है जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। मगर उनके पास उज्ज्वला योजना में गैस कनेक्शन नहीं होने से वह लोग इस तरह के लाभ से वंचित रह गए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पांच वर्ष का कार्यकाल पार्टी में व्याप्त आंतरिक गुटबाजी व कांग्रेस नेताओं की आपसी लड़ाई में ही बीत गया। एक साल का समय तो कोरोना की भेंट चढ़ गया और बाकी समय सरकार बचाने को लेकर की गई बाड़ेबंदी में ही गुजर गया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आम जनों के लिए बहुत बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो की थी मगर वह धरातल पर नहीं उतर पाई। बजट के अभाव में बहुत सी सड़कों, जलदाय योजनाओं का काम अभी तक शुरू भी नहीं हो पाया है। जबकि उन्हें दो साल पूर्व के बजट में शामिल किया गया था। गांव में प्रारंभ किए गए महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालयों में भी शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने से वहां पढ़ने वाले छात्रों की पढ़ाई खराब हो रही है। पिछले 5 साल में जन विरोधी कार्यों के लिए जितनी गहलोत सरकार बदनाम हुई है। उतनी आज तक कोई भी सरकार नहीं हुई। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होना तो जैसे सरकार का मुख्य काम ही हो गया है। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होकर बाजार में बिकने के कारण राजस्थान के हजारों नौजवानों के नौकरी लगने से वंचित रह जाने के कारण उनका भविष्य खराब हो गया। राजस्थान लोक सेवा आयोग का सदस्य बाबूलाल कटारा रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने के बावजूद सरकार ने उसको आज तक पद से नहीं हटाया है।

समाचार पत्र युग के अंत के रूप में डिजिटल तकनीके

लेखक : विजय गर्ग

> ऐसा क्यों हो रहा है? नई प्रौद्योगिकियां पुरानी प्रौद्योगिकियों की तुलना में वस्तुगत रूप से सस्ती और अधिक कुशल हैं। डिजिटल जानकारी तुरंत अपडेट की जाती है और लगभग मुफ्त में हमारे पास आती है - इंटरनेट तक पहुंच की लागत हर समय सस्ती होती जा रही है। हम मोबाइल उपकरणों से अविभाज्य हो गए हैं और हम कहीं भी और किसी भी समय जानकारी प्राप्त करने में रुचि रखते हैं। नए डिजिटल इनोवेशन का इस्तेमाल करना फैशनेबल और स्टाइलिश माना जाता है। डिजिटल की तुलना में, प्रिंट मीडिया आदिम, नीरस और पुराना लगता है

नई तकनीक जो बाजार मूल्य के अनुपात को मौलिक रूप से बदल देती है और अंततः मौजूदा उत्पादों या सेवाओं को नष्ट कर देती है। यह सब कहां से शुरू हुआ? यह पता चलता है कि पंद्रहवीं शताब्दी के मध्य में, टाइपोग्राफी स्वयं एक विघटनकारी नवाचार साबित हुई। उस समय तक, पुस्तकों का प्रचार-प्रसार हाथों से किया जाता था - शास्त्री, ज्यादातर मध्ययुगीन मठों के भिक्षुओं ने। यह शिल्प बेहद सामान्य और सम्मानजनक था, इसके अलावा भिक्षुओं ने बहुत पैसा कमाया। पुस्तकों के मुद्रित पुनरुत्पादन ने उनके काम को अनावश्यक बना दिया। मुद्रण मशीनों के आगमन के बाद भिक्षुओं में घबराहट होने लगी। कुछ ने तो नवीनतम आविष्कार के खिलाफ लड़ना भी शुरू कर दिया।

पाँच सौ वर्षों तक मुद्रण प्रौद्योगिकी ने उद्योग पर राज किया, लेकिन अब एक नई तकनीक का समय आ गया है। डिजिटल प्रौद्योगिकियाँ - इंटरनेट, सोशल मीडिया, ई-पुस्तकें - मुद्रण उद्योग की जगह ले रही हैं। लगभग सभी संचार चैनल जो एक माध्यम के रूप में कागज का उपयोग करते हैं, कुछ हद तक डिजिटल क्रांति से प्रभावित हैं। कागजी पत्र धीरे-धीरे चलन से बाहर हो गए। सर्वेक्षणों के अनुसार, लगभग दो-तिहाई अमेरिकियों का मानना है कि 2050 तक कोई भी सामान्य डाक पत्र नहीं भेजेगा। इसलिए, प्रत्यक्ष मेल विज्ञापन का उपयोग कम से कम किया जाता है। समाचार पत्र और पत्रिकाएँ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ एक असमान संघर्ष में हैं; वे गिरते प्रसार और विज्ञापन राजस्व से पीड़ित हैं, और उन्हें ऑनलाइन बंद करने या स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया गया है।

ई-पुस्तकों द्वारा मुद्रित पुस्तकों को और अधिक आग्रहपूर्वक बाहर कर दिया गया है। अब ऑनलाइन रिटेल दिग्गज अमेजॉन ने घोषणा की है कि ई-पुस्तकों की बिक्री हार्डकवर में मुद्रित पुस्तकों की बिक्री से लगभग दोगुनी है।

ऐसा क्यों हो रहा है? नई प्रौद्योगिकियां पुरानी प्रौद्योगिकियों की तुलना में वस्तुगत रूप से सस्ती और अधिक कुशल हैं। डिजिटल जानकारी तुरंत अपडेट की जाती है और लगभग मुफ्त में हमारे पास आती है - इंटरनेट तक पहुंच की लागत हर समय सस्ती होती जा रही है। हम मोबाइल उपकरणों से अविभाज्य हो गए हैं और हम कहीं भी और किसी भी समय जानकारी प्राप्त करने में रुचि रखते हैं। नए डिजिटल इनोवेशन का इस्तेमाल करना फैशनेबल और स्टाइलिश माना जाता है। डिजिटल की तुलना में, प्रिंट मीडिया आदिम, नीरस और पुराना लगता है, और इसके अलावा, पेड़ों को बचाने का कारक तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है। उद्योग वापस लड़ने की कोशिश कर रहा है. पत्रिकाएँ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की तुलना में कागज के लाभों की प्रशंसा करते हुए विज्ञापन अभियान चलाती हैं। पुस्तक प्रकाशक इलेक्ट्रॉनिक पेपर पुस्तकों पर प्राथमिकता बनाए रखने की कोशिश करके पुस्तक विक्रेताओं के साथ संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन ये सभी प्रयास मुख्य प्रवृत्ति को नहीं बदलते हैं। मुद्रण खत्म होने जा रहा है, और यह हमारी कल्पना से कहीं अधिक तेजी से हो रहा है। अंततः, आईपैड की असाधारण सफलता के बाद, 2010 के वसंत में यह स्पष्ट हो गया। इस उपकरण की मांग और इसकी लोकप्रियता ने स्पष्ट रूप से दिखाया है कि लोग - और न केवल युवा पीढ़ी - नई तकनीकों की ओर बढ़ने के लिए तैयार हैं, और वास्तव में, जितनी जल्दी हो सके उनके पास जाना चाहते हैं।

इंटरग्लोब एविएशन कर मांग को देगी चुनौती, सीडीएसएल का डीमैट खाता 10 करोड़ पार

- अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. सौर मॉड्यूल के रखरखाव और पानी की खपत कम करने के लिए अब जलमुक्त रोबोटिक सफाई प्रणाली का इस्तेमाल कर रहा है।

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

शेयर बाजारों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ने से सीडीएसएल के डीमैट खातों की संख्या इस माह 10 करोड़ के पार पहुंच गई है। कंपनी ने 1999 में परिचालन शुरू किया था।

इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन 1,666 करोड़ रुपये से अधिक की कर मांग को चुनौती देगी। कंपनी ने बुधवार को कहा, आकलन वर्ष 2016-17 के लिए 739.68 करोड़ और आकलन वर्ष 2017-18 के लिए 927.03 करोड़ की मांग की थी। सीडीएसएल का डीमैट खाता 10 करोड़ पार शेयर बाजारों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ने से सीडीएसएल

के डीमैट खातों की संख्या इस माह 10 करोड़ के पार पहुंच गई है। कंपनी ने 1999 में परिचालन शुरू किया था। सीडीएसएल ने कहा, सक्रिय खातों के मामले में यह सबसे बड़ी डिपॉजिटरी है। अदाणी ग्रीनः रोबोट से सौर ऊर्जा परिचालन अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. सौर मॉड्यूल के रखरखाव और पानी की खपत कम करने के लिए अब जलमुक्त रोबोटिक सफाई प्रणाली का इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी के सीईओ अमित सिंह ने कहा, यह रोबोट पर्यावरण के अनुकूल है। जीएसटीः फेसलेस व्यवस्था शुरू होने में अभी लगेगा और समय जीएसटी के तहत कर रिटर्न के आकलन को लेकर करदाता और अधिकारी के आमने-सामने आए बिना जांच (फेसलेस) व्यवस्था शुरू करने में कुछ समय लग सकता है। जीएसटी नेटवर्क के उपाध्यक्ष जगमाल सिंह ने कहा, इसे प्रभावी बनाने के लिए नीतिगत स्तर पर कुछ बदलावों की जरूरत होगी। इसके लिए कुछ समय लग सकता है। फेसलेस आकलन की व्यवस्था सबसे पहले आयकर विभाग ने शुरू की थी। बाद में सीमा शुल्क विभाग ने इसे अपनाया। इसमें दस्तावेज को भौतिक रूप से पेश करने की जरूरत नहीं होती। जीएसटी एक जुलाई, 2017 को लागू हुआ था।

- डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी यूएसटी ने हैदराबाद के इंटरनेशनल टेक पार्क में एक नई उन्नत सुविधा खोली है।

अगले तीन साल में 2,000 लोगों को नौकरी देगी यूएसटी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी यूएसटी ने हैदराबाद के इंटरनेशनल टेक पार्क में एक नई उन्नत सुविधा खोली है। कंपनी की योजना तीन वर्षों में अपने कर्मचारियों की संख्या दोगुनी कर चार हजार करने की है। अभी कमर्चारियों की संख्या 2,000 है। हैदराबाद के इंटरनेशनल टेक पार्क में 1.18 लाख वर्ग फुट में फैली इस सुविधा में दूरसंचार, हाईटेक, खुदरा व बीमा सहित कई क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी काम किए जाएंगे। यह देश में इसका चौथा विकास केंद्र है।

16 फीसदी से कम रहेगी एनबीएफसी की वृद्धि दर

आरबीआई की ओर से असुरक्षित खुदरा कर्ज पर लगाम लगाने का असर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर पड़ेगा। क्रिसिल रेटिंग ने बुधवार को कहा, चालू वित्त वर्ष में एनबीएफसी क्षेत्र की वृद्धि दर 16-18 फीसदी से कम रह सकती है। अगले वित्त वर्ष में खुदरा ऋण क्षेत्रों में निरंतर मजबूत मांग के कारण इस क्षेत्र का एसेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम 14-17 फीसदी बढ़ सकता है। क्रिसिल ने कहा, आरबीआई की घोषणा के बाद एनबीएफसी अपनी रणनीति में बदलाव करेंगी।

एक सीट के साथ ही पूरा कोच भी हो सकता है बुक

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

भारतीय रेलवे कोच बुकिंग नियम वेडिंग सीजन में कई बार हमें एक शहर से दूसरे शहर ट्रैवल करना होता है। ऐसे में बाराती को ट्रैवल करने के लिए ट्रेन में काफी ज्यादा टिकट बुक करना पड़ता है। क्या आप जानते हैं कि आप ट्रेन का पूरा कोच बुक कर सकते हैं? इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कि आप कैसे एक पूरा कोच बुक करवा सकते हैं। एक सीट के साथ ही पूरा कोच भी हो सकता है बुक भारतीय रेलवे के नियम के तहत ट्रेन के कोच को बुक करवा सकते हैं। कोच बुकिंग के लिए आपको आईआरसीटीसी से संपर्क करन होगा। कोच बुकिंग में आपको 30 से 40 फीसदी तक का एक्सट्रा चार्ज देना होता है। रेलवे में सफर करना काफी लोगों को पसंद है। इस साल छठ के मौके पर करोड़ों लोगों ने ट्रेन से सफर किया है। देश में फेस्टिव सीजन खत्म हो गया है और कुछ दिन के बाद वेडिंग सीजन शुरू हो जाएगा। इस सीजन में कई बार लोगों को शादी अटेंड करने के लिए एक शहर से दूसरे शहर जाना पड़ता है। इसी तरह कई बारात एक राज्य से दूसरे राज्य भी जाते हैं। ऐसे में बारातियों के लिए आसानी से ट्रेन का कोच बुक किया जा सकता है। भारतीय रेलवे ने पूरे कोच को बुक करने के लिए खास नियम बनाए हैं। आप आईआरसीटीसी (आईआरसीटीसी) से संपर्क करके पूरी ट्रेन के कोच बुक कर सकते हैं। पूरा कोच कैसे बुक करें अगर आप भी ट्रेन के कोच बुक करना चाहते हैं तो आपको बता दें कि आपको साधारण टिकट से 30-40 फीसदी किराया देना होगा। इसके अलावा आपको सिक्योरिटी शुल्क भी जमा करना होगा। यह सिक्योरिटी शुल्क आपको वापस मिल जाता है। कोच बुकिंग के लिए आपको आईआरसीटी की अधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। इसके बाद आपको एफटीआर सर्विस (एफटीआर सेवा) पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आपको अपने आईआरसीटीसी अकाउंट में लॉग-इन करना होगा। अब आप यहां सारी जानकारी दर्ज करें और कोच बुकिंग के लिए लगने वाले चार्ज की पेमेंट करें। आपको 50,000 रुपये का चार्ज देना होगा। अगर आप पूरी ट्रेन बुक करवाते हैं तब आपको 18 कोच के हिसाब से 9 लाख रुपये का भुगतान करना होगा। इसके अलावा आपको हॉल्टिंग चार्ज का भुगतान करना होगा। इसके लिए आपको 10,000 रुपये का चार्ज का भुगतान करना होगा। आपको 81 कोच की बुकिंग के साथ 3 एसएलआर कोच (एसएलआर कोच) भी लगाना होगा। इन कोच के लिए भी आपको चार्ज देना होगा। आपको 2 महीने पहले कोच बुक करना होगा। अगर आप किसी वजह से केच बुकिंग कैंसिल करते हैं तो आपको इसके लिए भी शुल्क देना होगा। आप ट्रेन चलने से 2 दिन पहले तक बुकिंग कैंसिल कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

शेयर बाजार में बढ़त, सेंसेक्स 170 अंक चढ़ा, निफ्टी 19850 के ऊपर

अच्छे वैश्विक संकेतों के चलते गुरुवार को बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 100 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 66,130 के लेवल पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी भी 33 अंकों की मजबूती के साथ 19,850 के करीब कारोबार करता दिखा।

शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में मजबूती दिखी। अच्छे वैश्विक संकेतों के चलते बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 100 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 66,130 के लेवल पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी भी 33 अंकों की मजबूती के साथ 19,850 के करीब कारोबार करता दिखा। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन बाजार को बैंकिंग और ऑटो सेक्टर में खरीदारी से मजबूती मिली। निफ्टी में बजाज ऑटो 2% की मजबूती के साथ टॉप गेनर के रूप में कारोबार करता दिखा। इससे पहले बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 92 अंक चढ़कर 66,023 अंकों पर बंद हुआ था।

स्विगी और जोमैटो को 750 करोड़ का जीएसटी नोटिस, डिलीवरी चार्ज पर टैक्स न भरने का आरोप

कंपनियों की सफाई है कि डिलीवरी चार्ज डिलीवरी पार्टनर्स की लागत है, जो घर-घर खाना देने जाते हैं। कंपनियां ग्राहकों से वह लागत वसूलती हैं और डिलीवरी पार्टनर्स को दे देती हैं। ग्राहकों से डिलीवरी चार्ज के नाम पर कमाई करने और उस पर टैक्स न भरने के मामले में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने स्विगी और जोमैटो को 750 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा है। इसमें 400 करोड़ का नोटिस जोमैटो और 350 करोड़ का स्विगी को भेजा गया है। यह रकम जुलाई, 2017 से मार्च, 2023 के बीच की है। इनके डिलीवरी चार्ज पर 18 फीसदी का जीएसटी लगाया गया है। हालांकि, कंपनियों की सफाई है कि डिलीवरी चार्ज डिलीवरी पार्टनर्स की लागत है, जो घर-घर खाना देने जाते हैं। कंपनियां ग्राहकों से वह लागत वसूलती हैं और डिलीवरी पार्टनर्स को दे देती हैं।

आयकर रिफंड मिलने में आई तेजी, पांच वर्षों में वेटिंग अवधि भी घटी

एनटीवी, नई दिल्ली

सर्वे के मुताबिक, 75.5 फीसदी व्यक्तियों और 22.4 फीसदी फर्मों ने अपनी अनुमानित कर देनदारी से अधिक टीडीएस का भुगतान नहीं किया। कराधान व्यवस्था को सुव्यवस्थित, सरल व स्वचालित करने के लिए हाल के वर्षों में सरकार ने व्यापक उपाय किए हैं। आयकर रिफंड में पिछले पांच वर्षों में तेजी आई है। कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के सर्वे में दावा किया गया है, कम से कम 89 फीसदी व्यक्तियों और 88 फीसदी कंपनियों का मानना है कि 2018-2023 के बीच आयकर रिफंड पाने के लिए वेटिंग अवधि में अधिक कमी आई है। सर्वे के मुताबिक, 75.5 फीसदी व्यक्तियों और 22.4 फीसदी फर्मों ने अपनी अनुमानित कर देनदारी से अधिक टीडीएस का भुगतान नहीं किया। कराधान व्यवस्था को सुव्यवस्थित, सरल व स्वचालित करने के लिए हाल के वर्षों में सरकार ने व्यापक उपाय किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 87 फीसदी व्यक्तियों व 89 फीसदी कंपनियों को लगता है कि रिफंड का दावा करने की प्रक्रिया सुविधाजनक है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बोस ने कहा, यह रिफंड पाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के सरकार के प्रयासों को दर्शाता है। आयकर विभाग के प्रति बढ़ा भरोसा सीआईआई का सर्वेक्षण अक्तूबर, 2023 में 3,531 उत्तरदाताओं के बीच किया गया था। इनमें से 56.4 फीसदी व्यक्ति थे। 43.6 फीसदी फर्म या संगठन थे। इस सर्वे में देश के प्रमुख राज्यों को शामिल किया गया था। आईटीआर रिफंड प्रक्रिया में स्वचालन और सरलीकरण ने करदाताओं में टैक्स विभाग के प्रति विश्वास बढ़ा दिया है।

पोंजी स्कीम चलाकर 100 करोड़ रुपये का गबन, ईडी ने ज्वैलरी फर्म के ठिकानों पर की छापेमारी

- बताया जा रहा है कि ज्वैलरी फर्म द्वारा चलाए जा रहे स्टोर अक्तूबर में बंद हो गए। इसके बाद जिन लोगों ने अपना पैसा लगाया था, इसकी शिकायत त्रिची स्थित आर्थिक अपराध शाखा में की।

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

शिकायत मिलने के बाद आर्थिक अपराध शाखा ने ज्वैलरी फर्म के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की। आरोपी की पहचान मदन के रूप में हुई है। ईडी ने त्रिची स्थित एक ज्वैलरी फर्म के तमिलनाडु और पुडुचेरी स्थित विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की है। आरोप है कि ज्वैलरी फर्म द्वारा पोंजी स्कीम चलाकर 100 करोड़ रुपये का गबन करने का आरोप है। ईडी ने ज्वैलरी फर्म के कई करीबियों के यहां भी छापेमारी की। बताया जा रहा है कि ज्वैलरी फर्म द्वारा चलाए जा रहे स्टोर अक्तूबर में बंद हो गए। इसके बाद जिन लोगों ने अपना पैसा लगाया था, इसकी शिकायत त्रिची स्थित आर्थिक अपराध शाखा में की। छापेमारी में क्या हुआ बरामद शिकायत मिलने के बाद आर्थिक अपराध शाखा ने ज्वैलरी फर्म के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की। आरोपी की पहचान मदन के रूप में हुई है। साथ ही इस महीने की शुरूआत में आरोपी मालिक और उसकी पत्नी के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी कर दिया गया है। ईडी ने बुधवार को बयान जारी कर बताया कि आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज मामले के आधार पर उन्होंने पीएमएलए कानून के तहत ज्वैलरी फर्म के खिलाफ छापेमारी की। आरोप है कि कुछ लोग पोंजी स्कीम चला रहे थे। ईडी की छापेमारी में 23 लाख नकदी और 11.6 किलो के आभूषण शामिल हैं। इनमें सोने और चांदी की ब्रिक और सिक्के भी शामिल हैं। क्या हैं आरोप आरोप है कि प्रणव ज्वैलर्स ने सोने में निवेश के नाम पर लोगों से 100 करोड़ रुपये इकट्ठे किए। ज्वैलर ने लोगों को अच्छे रिटर्न का वादा किया था लेकिन ज्वैलर द्वारा ना रिटर्न दिया गया और ना ही लोगों के पैसे वापस किए गए। जांच में पता चला है कि ज्वैलर द्वारा लोगों से इकट्ठे किए गए पैसों को शैल कंपनियों में डायवर्ट कर दिया गया। साथ ही खातों में भी धांधली कर टैक्स की चोरी की गई।

गौतम सिंघानिया के ट्रस्ट बनाकर क्षतिपूर्ति राशि देने का प्रस्ताव नवाज ने ठुकराया, 75% मांगा था हिस्सा

एनटीवी, मुंबई

सूट फैब्रिक के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक रेमंड के शेयरों में सातवें दिन भी गिरावट रही। कंपनी के चेयरमैन गौतम सिंघानिया और उनकी पत्नी के बीच विवाद से कंपनी की पूंजी में 18 करोड़ डॉलर की कमी आई है। रेमंड समूह के चेयरमैन गौतम सिंघानिया पत्नी नवाज मोदी से तलाक को लेकर सुर्खियों में हैं। 32 साल पहले प्रेम विवाह करने वाली नवाज मोदी ने अलग होने के लिए संपत्ति में 75 फीसदी हिस्सेदारी की मांग की है। गौतम सिंघानिया ने ट्रस्ट बनाकर यह रकम देने पर रजामंदी जताई थी लेकिन इसके लिए नवाज तैयार नहीं हैं। गौतम के करीबी ने बताया कि शादीशुदा जीवन से अलग होने के लिए नवाज ने जो शर्त रखी थी, उससे गौतम सहमत थे। गौतम संपत्ति की 75 फीसदी रकम सिंघानिया फैमिली ट्रस्ट बनाकर स्थानांतरित करना चाहते थे। गौतम की मृत्यु के बाद यह रकम नवाज की हो जाती, लेकिन नवाज ने इसे मानने से इन्कार कर दिया है। पिटाई का आरोप नीता ने की मदद नवाज ने पति गौतम पर उन्हें और बेटी को पीटने का आरोप लगाया है। उन्होंने मीडिया के सामने 10 सितंबर की सुबह की पिटाई से लेकर दीपावली की पार्टी में उन्हें आने से रोके जाने की कहानी बयां की है। नवाज ने दावा किया है कि मारपीट के बाद गौतम पुलिस में रिपोर्ट भी दर्ज नहीं होने देना चाहते थे, लेकिन रिलायंस फाउंडेशन की चेयरमैन नीता अंबानी और उनके बेटे अनंत अंबानी ने मदद की जिससे रिपोर्ट दर्ज करा सकीं। निवेशकों के डूबे 18 करोड़ डॉलर सूट फैब्रिक के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक रेमंड के शेयरों में सातवें दिन भी गिरावट रही। कंपनी के चेयरमैन गौतम सिंघानिया और उनकी पत्नी के बीच विवाद से कंपनी की पूंजी में 18 करोड़ डॉलर की कमी आई है। इस विवाद से निवेशकों में अनिश्चितता है, जिससे वे शेयरों की बिकवाली कर रहे हैं। रेमंड का शेयर 13 नवंबर के बाद से 12 फीसदी टूट चुका है। इसी दिन सिंघानिया ने पत्नी नवाज से अलग होने की घोषणा की थी। बुधवार को शेयर 4.4 फीसदी टूट गया, जो 25 अक्तूबर के बाद किसी एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है। अंत में 3.77 फीसदी गिरकर 1,676 रुपये पर बंद हुआ। नवाज ने अलग होने के लिए सिंघानिया की 1.4 अरब डॉलर की संपत्ति में 75 फीसदी हिस्सा मांगा है। ब्रोकरेज हाउसों का कहना है, नवाज कंपनी के बोर्ड में सदस्य हैं, इसलिए यह कॉरपोरेट गवर्नेंस का भी मुद्दा बन सकता है।

पांचों आईपीओ को निवेशकों का जबरदस्त रिस्पांस

- खुदरा निवेशकों का हिस्सा 4.25 गुना भरा है। गैर संस्थागत निवेशकों का हिस्सा सबसे ज्यादा 7.74 गुना भरा है।

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

20 साल बाद आईपीओ लाने वाले टाटा समूह की तीन करोड़ से ज्यादा रकम जुटाने की योजना है। बुधवार को खुले फेडफिना, गांधार ऑयल और फ्लेयर में भी खरीदारी हुई। इस हफ्ते खुले पांच आईपीओ को अच्छा रिस्पांस मिला है। पांचों कंपनियां 7,000 करोड़ से ज्यादा रकम जुटाएंगी। 20 साल बाद आईपीओ लाने वाले टाटा समूह की तीन करोड़ से ज्यादा रकम जुटाने की योजना है। बुधवार को खुले फेडफिना, गांधार ऑयल और फ्लेयर में भी खरीदारी हुई। टाटा टेक इस आईपीओ के शेयरों की पहले दिन अच्छी खरीदारी हुई है। खुदरा निवेशकों का हिस्सा 5.42 गुना भरा है। गैर संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) का हिस्सा सबसे ज्यादा 11.69 गुना भरा है। कर्मचारियों का हिस्सा 1.10 गुना भरा है। इरेडा बुधवार को इसका दूसरा दिन था। इसे दो दिनों में 4.56 गुना अभिदान मिला है। खुदरा निवेशकों का हिस्सा 4.25 गुना भरा है। गैर संस्थागत निवेशकों का हिस्सा सबसे ज्यादा 7.74 गुना भरा है। गांधार ऑयल इस आईपीओ में भी जमकर खरीदी हो रही है। पहले दिन 5.66 गुना भरा है। खुदरा निवेशकों ने 7.13 गुना पैसा लगाया है। एनआईआई के हिस्से को 7.96 गुना बोली मिली है।

फेडफिना फेडरल बैंक की एनबीएफसी कंपनी के शेयरों की पहले दिन केवल 0.39 गुना खरीदी हुई है। इसमें खुदरा निवेशकों का हिस्सा 0.69 गुना भरा है। एनआईआई का हिस्सा 0.21 गुना भरा है। किसी भी सेगमेंट में पूरा हिस्सा नहीं भरा है।

'तकनीक तेज दौड़ने वाला जानवर; इस पर लगाम जरूरी', साइबर धोखाधड़ी पर वित्त मंत्री ने दी ये सलाह

- जब तक जागरूकता नहीं आएगी, जब तक हम लोगों के मन में यह सतर्कता पैदा नहीं करेंगे कि उन्हें फोन पर कही गई किसी भी बात पर नहीं चलना चाहिए। तब तक खतरा रहेगा।

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साइबर धोखाधड़ी से बचने के तरीके पर अपनी राय रखते हुए तकनीक को ऐसा जानवर बताया जो आपसे तेज चलता और दौड़ता है। वित्त मंत्री ने कहा कि ऐसे में यह जरूरी है कि इसकी लगाम आपके हाथ में रहे। वित्त मंत्री ने गुरुवार को कहा कि साइबर धोखाधड़ी के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने और घोटालेबाजों को सिस्टम से खिलवाड़ करने से रोकने के लिए तकनीक की बागडोर अपने हाथों में लेने की जरूरत है। 'डेट विद टेक' कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि साइबर धोखाधड़ी के ऐसे मामलों जहां लोगों को फोन कॉल या एसएमएस के माध्यम से ठगा जाता है, को रोकने के लिए सरकार समय-समय पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की समीक्षा करती है। आरबीआई भी अपनी प्रणालियों की समीक्षा करता है। बीमा कंपनियां भी अपने सिस्टम की समीक्षा करती हैं। वित्त मंत्री ने कहा, 'हम लगातार वही कर रहे हैं जिसकी जरूरत है। जब तक जागरूकता नहीं आएगी, जब तक हम लोगों के मन में यह सतर्कता पैदा नहीं करेंगे कि उन्हें फोन पर कही गई किसी भी बात पर नहीं चलना चाहिए। तब तक खतरा रहेगा। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म स्तर पर इस बात को लेकर चिंता है कि लोगों को रैंडम कॉल आ रहे हैं, जिससे वे ऐसी स्थिति में फंस रहे हैं जहां उन्हें पैसे का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, 'जो लोग सिस्टम के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे शायद तकनीक के इस्तेमाल और दुरुपयोग के

- उन्होंने कहा, 'जो लोग सिस्टम के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे शायद तकनीक के इस्तेमाल और दुरुपयोग के मामले में हमसे एक पायदान आगे हैं।

मामले में हमसे एक पायदान आगे हैं। इस पर बहुत काम करने की जरूरत है। यह एक कभी न खत्म होने वाला खेल है क्योंकि तकनीक एक ऐसा जानवर है जो आपसे बहुत आगे चलता और दौड़ता है। ऐसे में आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि इसकी लगाम आपके हाथ में रहे।' मंत्री ने कहा कि बड़े संस्थानों खासकर संवेदनशील संस्थानों के पास पर्याप्त तकनीक और टीमें होनी चाहिए जो रोजमर्रा के आधार पर पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित हों, और यह जांचते हों कि उनका फायरबॉल काम के लिए तैयार है या नहीं। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थान, बैंक और बीमा कंपनियां जागरूकता पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। वे लोगों को बता रही हैं कि कृपया किसी भी फोन करने वाले पर तब तक भरोसा न करें जब तक कि आपके पास यह सुनिश्चित करने का अपना तरीका न हो कि जो आपसे बात कर रहा है, वह सही व्यक्ति है। सीतारमण ने कहा, "भारत बदलाव के दौर से गुजर रहा है, हम एक ऐसे मुकाम पर हैं जहां हम पहले की तुलना में अब पूरी तरह डिजिटल हो रहे हैं।

मामूली बढ़त के साथ खुला भारतीय करेंसी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे चढ़ा रुपया

गुरुवार को भारतीय करेंसी बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। आज डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे की बढ़त के साथ खुला है। क्रूड ऑयल की कीमतों में नरमी देखने को मिली है। आज शेयर बाजार के दोनों स्टॉक एक्सचेंज बढ़त के साथ खुले हैं। विदेशी निवेशकों ने बुधवार को 306.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। शेयर मार्केट हरे निशान पर कारोबार कर रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे की बढ़त के साथ खुला है। विदेशी निवेशकों ने बुधवार को 306.56 करोड़ रुपये के इक्विटी बेची है। शेयर मार्केट में बढ़त और क्रूड ऑयल की कीमतों का असर भारतीय करेंसी पर देखने को मिला है। आज डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे की बढ़त के साथ खुला है। फॉरेक्स डीलर का कहना है कि डॉलर में जारी कमजोरी और विदेशी निवेशकों के आउटफ्लो ने रुपया को प्रभावित किया है। आज विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 83.30 पर खुला। यह पिछले बंद के मुकाबले 2 पैसे की बढ़त को दर्शाता है। बुधवार को भारतीय करेंसी 83.32 पर बंद हुआ था। डॉलर इंडेक्स जो छह मुद्राओं की ताकत को दर्शाता है। ग्रीनबैक 0.17 प्रतिशत गिरकर 103.74 पर कारोबार कर रहा था।

मामाअर्थ की पेरेंट कंपनी के शेयर ने भरी रफ्तार, 20 फीसदी की तेजी के साथ कर रहे हैं ट्रेड

- कंपनी ने अपने रिपोर्ट में बताया कि सितंबर तिमाही में उनका समेकित लाभ (समेकित लाभ) दो गुना तक बढ़ गया है।

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

होनासा उपभोक्ता शेयर की कीमत बीते दिन मामअर्थ (मामाअर्थ) की सहायक कंपनी होनासा उपभोक्ता ने अपने वित्तीय प्रदर्शन का एलान किया है। इस एलान के बाद आज कंपनी के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। 7 नवंबक 2023 को कंपनी के शेयर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आज शेयर मार्केट हरे निशान पर खुला है। इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं। होनासा उपभोक्ता ने 22 नवंबर को अपने तिमाही नतीजों का एलान किया है। आज कंपनी के स्टॉक 20 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। सितंबर तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स दो गुना तक बढ़ गया है। बुधवार को बाजार बंद होने के बाद होनासा कंज्यूमर (होनासा उपभोक्ता) ने अपने वित्तीय प्रदर्शन की जानकारी दी है। कंपनी ने अपने रिपोर्ट में बताया कि सितंबर तिमाही में उनका समेकित लाभ (समेकित लाभ) दो गुना तक बढ़ गया है। इस एलान के बाद गुरुवार के कारोबारी सत्र में कंपनी के शेयर 20 फीसदी की बढ़त के साथ खुले हैं। बीएसई पर कंपनी के शेयर 19.99 फसदी बढ़कर अपर सर्केट लिमिट तक पहुंच गया। वहीं एनएसई पर भी कंपनी के शेयर सबसे ज्यादा तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। खबर लिखते वक्त कंपनी के शेयर 70.60 अंक या 19.99 फीसदी बढ़कर 423.75 करोड़ रुपये पर ट्रेड कर रहा था। होनासा कंज्यूमर मामाअर्थ (मामाअर्थ) की सहायक कंपनी है। होनासा कंज्यूमर के तिमाही नतीजे जुलाई से सितंबर में कंपनी का प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स 29.43 करोड़ रुपये दर्ज हुआ है। कंपनी ने नियामक फाइलिंग में कहा कि एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी का प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स 15.19 करोड़ रुपये था। इस महीने 7 नवंबर 2023 को कंपनी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट हुए थे। दूसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 20.85 फीसदी बढ़कर 496.10 करोड़ रुपये रहा। वहीं पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का राजस्व 410.49 करोड़ रुपया था। सितंबर तिमाही में कंपनी का एक्सपेंस 463.98 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले महीने के एक्सपेंस से 18.25 फीसदी बढ़ा है।

'यह देश खुद तय करते हैं', चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की गैर-मौजूदगी पर बोले विदेश मंत्री जयशंकर

- भारत की जी 20 की अध्यक्षता वैश्विक दक्षिण पर केंद्रित उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक बात थी, जिसे हम सभी ने आज गौर किया होगा।

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

जी 20 वर्चुअल शिखर सम्मेलन के समापन पर विदेश मंत्री ने कहा कि हम सभी ने आज गौर किया होगा। एक बहुत स्पष्ट चीज कि भारत की जी 20 की अध्यक्षता वैश्विक दक्षिण-केंद्रित थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को जी 20 का वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ। इस समिट से इस बार भी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दूरी बनाई। जिनपिंग की गैर-मौजूदगी पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि यह सभी देश खुद ही तय करते हैं कि उनका प्रतिनिधित्व कौन करता है। पीएम ने किया था.. जयशंकर ने बुधवार को जी-20 के समापन संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, 'यह सभी देश खुद ही तय करते हैं। वे ही तय करते हैं कि उनका प्रतिनिधित्व कौन करता है। प्रधानमंत्री ली कियांग ने प्रधानमंत्री ली कियांग ने सितंबर में दिल्ली में हुए जी 20 शिखर सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व किया था। ऐसे में उन्होंने इस बार भी यही किया।' भारत की जी 20 की अध्यक्षता वैश्विक दक्षिण पर केंद्रित उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक बात थी, जिसे हम सभी ने आज गौर किया होगा। एक बहुत स्पष्ट चीज कि भारत की जी 20 की अध्यक्षता वैश्विक दक्षिण-केंद्रित थी और इसने विकास को जी 20 के निष्पक्ष, केंद्र में वापस ला दिया था। सोचिए यह न केवल जी 20 सदस्यों के बीच, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बीच भी बहुत व्यापक रूप से आवाज उठाई गई सोच थी।' इन पर सहमति जी 20 वर्चुअल शिखर सम्मेलन की बैठक में बनी सहमति का भी खुलासा किया। बताया कि जी 20 सदस्यों ने बंधकों की रिहाई, गाजा में राहत सामग्री भेजना और लड़ाई में अस्थायी विराम सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर बनी सहमति का स्वागत किया। विदेश मंत्री ने कहा, 'कुल मिलाकर, जिन मुद्दों पर सहमति हुई थी, उनका कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए नेताओं द्वारा एकजुटता की भावना व्यक्त की गई थी।' रोडमैप पर चर्चा हुई इसके अलावा, प्रेस वार्ता को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भारत के जी 20 शेरपा अमिताभ कांत और विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने भी संबोधित किया। वित्त मंत्री ने कहा कि आज जी 20 वित्त ट्रैक से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। पांच मुख्य एजेंडा बिंदुओं में से हर एक को दोहराया गया, जिस पर साल भर चर्चा हुई थी। उनका स्वागत किया गया। एमडीबी सुधार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, क्रिप्टो संपत्ति, जलवायु वित्त और कल के शहरों के वित्तपोषण के लिए रोडमैप पर चर्चा हुई। कई एमडीबी पहले से ही नवीन वित्त जैसे क्षेत्रों में एक-दूसरे के साथ सहयोग करने के विकल्प तलाश रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह की रिपोर्ट का स्वागत किया गया है। इसके कई पहलू पहले से ही निर्धारित हैं, बोर्ड प्रत्येक बैंक के लिए इसे अपना रहा है।

इंडोनेशिया में आसियान-भारत मिलेट्स फेस्टिवल का आगाज

परिवहन विशेष न्यूज

आसियान में भारत के राजदूत जयंत खोबरागड़े ने कहा, 'प्रधान मंत्री (नरेंद्र मोदी) ने 7 सितंबर को आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लिया। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के दौरान, अपनाए गए संयुक्त बयानों में से एक खाद्य सुरक्षा के बारे में था'। आसियान में भारतीय मिशन ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर बुधवार को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में पांच दिवसीय मिलेट्स फेस्टिवल शुरू किया। इस कदम का उद्देश्य 10 सदस्यीय समूह के बीच बाजरा और बाजरा-आधारित उत्पादों के लिए जागरूकता बढ़ाना और बाजार तैयार करना है। आसियान में भारत के राजदूत जयंत खोबरागड़े ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 सितंबर को आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लिया। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन खाद्य सुरक्षा को लेकर रखा गया था'। आसियान-भारत संबंधों के समग्र ढांचे में बहुत अच्छा उन्होंने कहा, 'दो महीनों में हम मिलेट्स फेस्टिवल मना रहे हैं, जिसमें खाद्य सुरक्षा भी शामिल है। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी कितनी प्रभावी ढंग से काम कर रही है।' बाजरे को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण तत्वों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा कि यह आसियान-भारत संबंधों के समग्र ढांचे में बहुत अच्छा है। खोबरागड़े ने कहा, 'बहुत रुचि है। इस मिलेट्स फेस्टिवल के लिए, हमारे पास न केवल भारतीय किसानों और उद्योगपतियों का प्रतिनिधित्व है, बल्कि आसियान सदस्य देशों का भी प्रतिनिधित्व है।' भविष्य के लिए है भोजन विकल्प राष्ट्रीय खाद्य एजेंसी (बदन पांगन नैशनल (बीपीएन)) इंडोनेशिया के प्रमुख, एरीफ प्रासेत्यो आदि ने जलवायु परिवर्तन की स्थिति में बाजरा को भविष्य के लिए किसान-अनुकूल और टिकाऊ भोजन विकल्प के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आसियान-भारत बाजरा महोत्सव के पास बाजरा के पोषण संबंधी स्थिति और पर्यावरणीय स्थिरता से लेकर आर्थिक विकास तक के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का अवसर है। लाइव कुकिंग वर्कशॉप बना प्रमुख आकर्षण दक्षिण जकार्ता के एक प्रमुख शॉपिंग स्थल, कोटा कसाब्लांका मॉल में 'आसियान-भारत मिलेट्स फेस्टिवल' का उद्देश्य आसियान सदस्य देशों के बीच बाजरा और बाजरा-आधारित उत्पादों के लिए एक बाजार बनाना है। महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण 23 से 26 नवंबर तक चलने वाली लाइव कुकिंग वर्कशॉप होगी, जहां भारत और इंडोनेशिया के सेलिब्रिटी शेफ बाजरा की पाक क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

बागेश्वर धाम बाबा के सत्संग में पहुंचे फडणवीस, कहा- सभी को एक साथ जोड़ता है सनातन धर्म

उप मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए शास्त्री जी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से पूरा देश जाग रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर भारत जागेगा, तो दुनिया जागेगी। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने बुधवार को कहा कि सनातन धर्म में असमानता की कोई गुंजाइश नहीं है और प्राचीन आस्था देश को जोड़ने वाली शक्ति के रूप में काम करती है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को एक नया इतिहास लिखा जाएगा जब अयोध्या में आगामी मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। दरअसल, पुणे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता जगदीश मुलिक द्वारा आध्यात्मिक गुरु बागेश्वर धाम बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का सत्संग का आयोजन हो रहा था, जिसमें देवेंद्र फड़णवीस ने भी शिरकत की थी। उप मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए शास्त्री जी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से पूरा देश जाग रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर भारत जागेगा, तो दुनिया जागेगी। हम अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसका गवाह बनने जा रहे हैं। 22 जनवरी को एक नया इतिहास रचा जाएगा जब भगवान राम का मंदिर (अयोध्या में) पूरा हो जाएगा'।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग सनातन धर्म के बारे में दुष्प्रचार करते हैं और गलत तरीके से इसे 'जातिवाद' से जोड़ते हैं, लेकिन वे सनातन का अर्थ नहीं जानते। सनातन का अर्थ शाश्वत है और यही भारत का विचार है, जो हम सभी को एक साथ बांधता है, असमानता की कोई गुंजाइश नहीं है। गन्ने की ऊंची कीमतों की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन पर क्या बोले फड़णवीस किसान नेता और पूर्व लोकसभा सांसद राजू शेट्टी द्वारा गन्ने की ऊंची कीमतों की मांग को लेकर शुरू किए गए आंदोलन के बारे में पूछे जाने पर, फड़नवीस ने कहा कि हर किसी को लगता है कि किसानों को उनके उत्पादों के लिए अच्छा रिटर्न मिलना चाहिए, लेकिन साथ ही, व्यावहारिक बाधाओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

व्यक्ति की दुर्घटना में मौत मामले में बड़ा खुलासा; शिक्षक ने कराया उठक-बैठक

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

77 वर्षीय वीवी कृष्णप्पा की गलती इतनी थी कि उन्होंने सरफराज खान पर लापरवाही से वाहन चलाने और अपने दोपहिया वाहन में टक्कर मारने पर गुस्सा कर दिया था। हालांकि, बुजुर्ग को नहीं पता था कि वह जिससे बहस कर रहे वो एक बाइक चोर था। कर्नाटक के बंगलूरू में एक 77 साल के व्यक्ति की दुर्घटना में हुई मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। बुजुर्ग की हादसे में जान नहीं गई थी बल्कि बाइक सवार एक व्यक्ति ने उनके सिर पर पत्थर से वार करके उनकी हत्या की थी। वहीं, ओडिशा से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां चौथी क्लास में पढ़ने वाले 10 साल के बच्चे को उसके स्कूल के शिक्षक ने उठक-बैठक की सजा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। दोपहिया वाहन में टक्कर मारने पर गुस्सा कृष्णप्पा की गलती इतनी थी कि उन्होंने सरफराज खान पर लापरवाही से वाहन चलाने और अपने दोपहिया वाहन में टक्कर मारने पर गुस्सा कर दिया था। हालांकि, बुजुर्ग को नहीं पता था कि वह जिससे बहस कर रहे वो एक बाइक चोर था। गुस्साए बाइक चोर ने कृष्णप्पा के सिर पर पत्थर से वार किया और अस्पताल में उनकी मौत हो गई। यह घटना किसी ने नहीं देखी कि कैसे क्या हुआ था। राहगीरों ने जो बताया उसके आधार पर पुलिस ने मान लिया कि बुजुर्ग की मौत का मामला एक हिट-एंड-रन केस है। बाद में जब उनके बेटे ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करने का फैसला किया, तो हत्या की वारदात का खुलासा हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 16 नवंबर को हुआ था केस दर्ज बता दें कि इस घटना का खुलासा 16 नवंबर को पुलिस के सड़क दुर्घटना का केस दर्ज करने के बाद हुआ था। पुलिस ने यह मानते हुए कि केस दर्ज किया था कि ये बुजुर्ग बीती रात को मेडिकल शॉप जाते वक्त अपने स्कूटर से गिर गए। लेकिन इस बुजुर्ग की मौत का सच बाद में सामने आया। मृतक बुजुर्ग के बेटे सतीश कुमार को उनकी मौत को लेकर कुछ गड़बड़ी होने का शक था। इसी वजह से उन्होंने अपने घर के पास के सीसीटीवी फुटेज जांची। जब उन्होंने ये फुटेज देखी तो वो हैरान रह गए। उन्होंने देखा कि एक शख्स उनके पिता के साथ बहस करते हुए उन पर हमला कर रहा था। सीसीटीवी फुटेज को आधार बनाकर पुलिस ने 17 नवंबर को हत्या का मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने इस इलाके के आगे के सीसीटीवी खंगाले और आरोपित की पहचान 35 साल के सरफराज खान के तौर पर की। वो एक वेल्डर और मैकेनिक है। पहले मृतक बुजुर्ग के इलाके में ही रहा करता था। बाद में आरटी नगर इलाके में रहने लगा था। वो अक्सर अपने दोस्तों से मिलने और उनके साथ पार्टी करने के लिए पैलेस गुट्टाहल्ली आता रहता था। बुधवार 15 नवंबर की रात भी वह पैलेस गुट्टाहल्ली की तरफ जा रहा था। पत्थर उठाकर कृष्णप्पा को मारा इसी दौरान कृष्णप्पा करीब 8:30 बजे अपने स्कूटर से मेडिकल स्टोर के लिए निकले थे। पुलिस के मुताबिक, खान ने अपनी बाइक कृष्णप्पा के स्कूटर से टकरा दी। इससे उनका संतुलन लगभग बिगड़ गया और वो गिरने ही वाले थे। कृष्णप्पा उस व्यक्ति सरफराज खान के पास गए और उससे ठीक से गाड़ी चलाने के लिए कहा। इस पर खान नाराज हो गया। उसने एक पत्थर उठाकर कृष्णप्पा को मारा और भाग गया। राहगीरों ने सड़क पर पड़े बुजुर्ग को देखा तो उन्हें लगा कि उन्हें किसी गुजरते वाहन ने टक्कर मार दी है। वे उन्हें अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। आरोपी जानामाना चोर पुलिस का कहना है कि सरफराज खान एक जानामाना मोटरसाइकिल चोर है। उसने एक खड़ी मोटरसाइकिल चुरा ली थी। वह उसे लेकर भागने की कोशिश कर रहा था और तभी कृष्णप्पा के दोपहिया वाहन से टकरा गया। इस बीच बहस होने पर उसने कृष्णप्पा पर पत्थर से हमला कर दिया। बाद में, पुलिस ने घटना की जानकारी कृष्णप्पा के बेटे सतीश को दी। सतीश इस घटना को हादसा नहीं मान पा रहे थे। सदमे से उबरने के बाद उसने अगले दिन मेडिकल शॉप पर सीसीटीवी कैमरे से रिकार्ड किए गए फुटेज की जांच करने का फैसला किया। फुटेज से हमले का खुलासा हो गया। शिक्षक की सजा छात्र पर महंगी पड़ी ओडिशा में एक स्कूल में चौथी क्लास में पढ़ने वाले 10 साल के बच्चे को उसके स्कूल के शिक्षक ने उठक-बैठक की सजा दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

ट्रेड यूनियन ने जताई नाराजगी, कहा- श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर सरकार का रवैया संवेदनहीन

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

ट्रेड यूनियनों ने आगे कहा कि सुरंग के अंदर उत्पन्न होने वाली जहरीली गैसों के बारे में एक विशेषज्ञ द्वारा गंभीर चिंता जताई गई है। इसमें कहा गया है कि मजदूरों ने शिकायत की कि पहले की दुर्घटनाओं में से एक के बाद लगाए गए ह्यूम पाइप को भी सुरंग में काम पूरा होने से पहले ही हटा दिया गया था। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने उत्तरकाशी में सिल्कयारा सुरंग ढहने और श्रमिकों की सुरक्षा में लापरवाही को लेकर नाराजगी जाहिर की है और कहा है कि यह घटना श्रमिकों की व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति सरकार के संवेदनहीन रवैये को उजागर करती है। ग्यारह ट्रेड यूनियनों और सेक्टोरल फेडरेशनों द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है, 'केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और सेक्टोरल फेडरेशनों/एसोसिएशनों का मंच उत्तराकाशी, उत्तराखंड में सिल्क्यारा सुरंग ढहने की जिम्मेदारी लेने में अधिकारियों की विफलता पर अपना दुख व्यक्त करता है।' उन्होंने कहा, 'भूविज्ञानी और विशेषज्ञ यह कहते हुए आगे आए हैं कि भारत में सुरंग निर्माण में शामिल कंपनियां और एजेंसियां लागत में कटौती और अधिकतम मुनाफा कमाने के लिए सुरक्षा चिंताओं और उनके द्वारा सुझाए गए उपायों को नजरअंदाज कर देती हैं! न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग विधि के सिद्धांतों, जो एक निर्माण विधि और एक डिजाइन दर्शन दोनों हैं, का भी सही अर्थों में पालन नहीं किया जाता है।

ट्रेड यूनियनों ने आगे कहा कि सुरंग के अंदर उत्पन्न होने वाली जहरीली गैसों के बारे में एक विशेषज्ञ द्वारा गंभीर चिंता जताई गई है।

इसमें कहा गया है कि मजदूरों ने शिकायत की कि पहले की दुर्घटनाओं में से एक के बाद लगाए गए ह्यूम पाइप को भी सुरंग में काम पूरा होने से पहले ही हटा दिया गया था। वहीं कार्यस्थलों पर दुर्घटनाएं श्रमिकों की कार्यस्थल सुरक्षा के संबंध में कानूनों की कमजोरियों को उजागर करती हैं। साथ ही जो भी मौजूदा मानदंड हैं उनमें ढिलाई और उल्लंघन हर घटना के साथ उजागर होते हैं। ताजा सिल्क्यारा सुरंग ढहने की घटना, ऐसी दुर्घटनाओं की श्रृंखला में केवल एक है। फिलहाल, खामियों की जांच करने और बचाव अभियान में तेजी लाने की यूनियन ने मांग की। साथ ही सरकार स्वास्थ्य और सुरक्षा के बारे में आईएलओ सम्मेलनों की पुष्टि करे, जिन्हें 2022 में एक सत्र में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी द्वारा काम पर अधिकारों के मौलिक सिद्धांतों के तहत लाया गया है।

राशन घोटाले में गिरफ्तार बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक की तबीयत बिगड़ी, विशेषज्ञ टीम गठित

परिवहन विशेष न्यूज, कोलकाता

अधिकारी ने कहा, 'हम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। समग्र जांच के लिए, हमने एक टीम बनाई है, जिसमें न्यूरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, मेडिसिन, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी विभागों से एक-एक डॉक्टर शामिल हैं। पश्चिम बंगाल के गिरफ्तार वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक की तबीयत बुधवार को और बिगड़ गई, जिसके बाद सरकारी एसएसकेएम अस्पताल ने उनकी स्थिति पर नजर रखने के लिए एक मेडिकल बोर्ड का गठन किया। एक आधिकारिक सूचना के मुताबिक उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए प्रवर्तन विभाग (ईडी) द्वारा गिरफ्तार मल्लिक को मंगलवार रात ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने के बाद प्रेसीडेंसी जेल से एसएसकेएम अस्पताल लाया गया था। अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती मंत्री ने बुधवार सुबह अपने शरीर के बाएं हिस्से में सुन्नता की शिकायत की।

उसके बाद आज उनका एमआरआई हुआ।

अधिकारी ने कहा, 'हम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। समग्र जांच के लिए, हमने एक टीम बनाई है, जिसमें न्यूरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, मेडिसिन, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी विभागों से एक-एक डॉक्टर शामिल हैं।

वे उनकी स्थिति की निगरानी करेंगे और कार्रवाई का अगला तरीका निर्धारित करेंगे। हाई शुगर लेवल और अन्य बीमारियों से पीड़ित मल्लिक को इस अक्तूबर में गिरफ्तार किया गया था।

नशे में अपराध होने का तर्क दे सजा से नहीं बचा जा सकता

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

अन्य लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी नन्हे वहां से चला गया। लेकिन घटनास्थल से 15 से 20 कदम चलने के बाद वह पीछे मुड़ा और देसी पिस्तौल से गोली चला दी, जो दूसरे व्यक्ति सद्दाम हुसैन को लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नशे में अपराध होने का तर्क देकर सजा से आसानी से नहीं बचा जा सकता। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ एक व्यक्ति की अपील खारिज करते हुए कहा कि यह तर्क सिर्फ उस स्थिति में ही मान्य होगा, जब यह साबित किया जाए कि अपराध करने वाला अपनी परिस्थिति के चलते अपराध की प्रकृति को समझने में असमर्थ था। हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को गोली मारने के लिए उसे दोषी ठहराए जाने और आजीवन कारावास की सजा की पुष्टि की थी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस पंकज मिथल की पीठ ने दोषी की यह दलील खारिज कर दी कि घटना के वक्त (30 मई, 2007) वह भारी नशे में था और इस वजह से यह भी जानने की स्थिति में नहीं था कि वह क्या कर रहा है। अभियोजन पक्ष ने दावा किया था कि महेंद्र और नन्हे एक दूसरे से झगड़ रहे थे। अन्य लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी नन्हे वहां से चला गया। लेकिन घटनास्थल से 15 से 20 कदम चलने के बाद वह पीछे मुड़ा और देसी पिस्तौल से गोली चला दी, जो दूसरे व्यक्ति सद्दाम हुसैन को लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पीठ ने कहा कि आईपीसी की धारा 86 आरोपी को नशे और अपने कृत्य की प्रकृति को जानने में असमर्थता के कारण अपराध से बरी कर देती है। समय पूर्व रिहाई पर विचार नहीं किया, यूपी के गृह सचिव तलब एक कैदी की समय से पहले रिहाई के आवेदन पर विचार करने के आदेश का पालन नहीं करने से नाराज सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के गृह सचिव को तलब किया है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस पंकज मित्थल की पीठ ने कहा, राज्य के हलफनामे पर गौर किया। पाया कि 25 सितंबर के हमारे आदेश का पालन नहीं हुआ है। आदेश में सरकार को कैदी संतोष कुमार सिंह के आवेदन पर नीति के तहत विचार करने के लिए कहा गया था। आदेश नहीं मानने से नाराज पीठ ने राज्य के गृह सचिव को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत या वर्चुअल तौर पर उपस्थित रहने के लिए कहा है। अगली सुनवाई 11 दिसंबर को होगी। पीठ को बताया गया कि याचिकाकर्ता कैदी की पत्नी की सर्जरी 24 नवंबर को होनी है। इस पर पीठ ने राज्य सरकार को दस्तावेज का परीक्षण करने के लिए कहा। पीठ ने कैदी के दायर अंतरिम जमानत के आवेदन पर सुनवाई के लिए 23 नवंबर की तारीख तय की।

महादेव सट्टेबाजी एप मामले की जांच अपराध शाखा को; भायखला बिल्डिंग में भीषण आग, 135 को बाहर निकाला

परिवहन विशेष न्यूज, मुंबई

इस महीने की शुरूआत में मुबंई के माटुंगा पुलिस स्टेशन में महादेव सट्टेबाजी एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, शुभम सोनी समेत 32 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इन लोगों पर धोखाधड़ी और जुए की अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। 'महादेव सट्टेबाजी एप' लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस एप के जरिए 5000 करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला किया गया है। इस मामले में लगातार पुलिस कार्रवाई कर लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर रही है। अब इसमें एक नया मोड़ सामने आया है। दर्ज एक प्राथमिकी को जांच के लिए मुंबई अपराध शाखा को स्थानांतरित कर दिया गया है। वही, दूसरी ओर मुंबई के भायसखा इलाके स्थित महाडा कॉलोनी बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर गुरुवार को भीषण आग लग गई। हालांकि, किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। 32 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी एक अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दायरे को देखते हुए मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फनसालकर ने इसे अपराध शाखा को सौंप दिया है। बता दें, इस महीने की शुरूआत में मुबंई के माटुंगा पुलिस स्टेशन में एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, शुभम सोनी समेत 32 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इन लोगों पर धोखाधड़ी और जुए की अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। 15 हजार करोड़ की धोखाधड़ी एफआईआर में कहा गया है कि आरोपियों ने लोगों से 15,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में दावा किया था कि महादेव सट्टेबाजी एप के प्रमोटरों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब तक लगभग 508 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। साथ ही ईडी ने यह भी कहा था कि इस मामले की जांच होनी चाहिए। बाद में, भाजपा ने शुभम सोनी का एक वीडियो जारी किया, जिसमें कहा गया कि वह एप का मालिक है और उसके पास छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब तक 508 करोड़ रुपये का भुगतान करने का सबूत है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने इस दावे को खारिज कर दिया है। केंद्र ने ईडी के अनुरोध पर पांच नवंबर को महादेव एप समेत 22 अवैध सट्टेबाजी मंचों के खिलाफ रोक लगाने का आदेश जारी किया था। 135 लोगों को सुरक्षित बचाया मुंबई के भायखला इलाके में स्थित महाडा कॉलोनी बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर गुरुवार को आग लग गई। मुंबई दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों ने अलग-अलग मंजिलों से 135 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। मुंबई फायर ब्रिगेड के अधिकारियों के अनुसार, आग स्टिल्ट की पहली से 24 वीं मंजिल और आवासीय इमारत की ऊपरी 24वीं मंजिल से इलेक्ट्रिक मीटर केबिन, बिजली के तारों, केबल, इलेक्ट्रिक इंस्टॉलेशन, इलेक्ट्रिक डक्ट में स्क्रैप सामग्री, कचरा तक ही सीमित थी। कोल्हापुर के पास पलटी बस, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर के पास गुरुवार तड़के एक निजी बस पलट गई। इस हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि पुणे से करीब 240 किलोमीटर दूर कोल्हापुर शहर के बाहरी इलाके में पुईखाड़ी गांव के पास देर रात करीब दो बजे यह हादसा उस समय हुआ जब स्लीपर कोच बस करीब 25 यात्रियों को लेकर गोवा से मुंबई जा रही थी। करवीर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि हादसा उस समय हुआ, जब बस चालक कोल्हापुर-राधानगरी मार्ग पर पुईखाड़ी के पास एक मोड़ पर बातचीत करने की कोशिश कर रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम क्रेन के साथ मौके पर पहुंची। अधिकारी ने बताया एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई जबकि नौ अन्य यात्री घायल हो गए। घायल व्यक्तियों का फिलहाल कोल्हापुर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

प्रियंका ने फिर उठाया किसानों और महिला पहलवानों का मुद्दा, बताया आखिर पीएम क्यों नहीं गए मणिपुर

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

प्रियंका गांधी ने कहा, मणिपुर में सैकड़ों गांव जला डाले गए, कितने बुरे-बुरे हादसे हुए। कैसी-कैसी चीजें हुईं। पीएम मोदी ने वहां जाने का कष्ट किया? नहीं किया। हम विश्व कप फाइनल में पहुंचे। हमारी टीम अपनी मेहनत से फाइनल में पहुंची। पीएम मोदी भी पहुंच गए। राजस्थान विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में सभी राजनितिक दलों के नेता लगातार जनता को संबोधित कर रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिनों में महिला पहलवानों का अपमान, मणिपुर हिंसा और किसानों पर हो रहे अत्याचार को चुनावी मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को एक राजस्थान में एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंसा प्रभावित मणिपुर नहीं गए, लेकिन अहमदाबाद में क्रिकेट विश्वकप का फाइनल मैच देखने पहुंच गए, ताकि यदि हमारी टीम जीते तो कुछ श्रेय ले सकें। प्रियंका ने कहा, पीएम मोदी वहां नहीं जाते जहां संकट होता है। खुद को फकीर कहने वाले प्रधानमंत्री मोदी के राज में बीजेपी कैसे सबसे अमीर पार्टी बन गई। मणिपुर भी हमारे देश का ही राज्य है। मणिपुर में सैकड़ों गांव जला डाले गए, कितने बुरे-बुरे हादसे हुए। कैसी-कैसी चीजें हुईं। पीएम मोदी ने वहां जाने का कष्ट किया? नहीं किया। हम विश्व कप फाइनल में पहुंचे। हमारी टीम अपनी मेहनत से फाइनल में पहुंची। पीएम मोदी भी पहुंच गए। किसान आंदोलन की याद दिलाते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि, काले कृषि कानूनों को लेकर किसान धरने पर बैठे थे। भाजपा मंत्री के बेटे ने किसानों को अपनी गाड़ी के नीचे रौंद दिया था। मगर मंत्री को पद से नहीं हटाया गया। किसान अपनी मांगों के लिए महीनों तक धरने पर बैठे रहे, पर मोदी सरकार ने उनकी बात नहीं मानी। जैसे ही उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव नजदीक आए, ये कानून वापस ले लिए गए। महिला पहलवान सड़क पर बैठी रहीं, मोदी जी नहीं गए। लेकिन वही पहलवान जब मेडल जीतकर आईं, मोदी जी ने उनको घर बुलाया था। महिला पर हो रहे अत्याचारों का जिक्र करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा शासित प्रदेशों में महिलाओं पर बहुत अत्याचार हो रहे हैं। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश की हाथरस और उन्नाव वारदात का जिक्र करते हुए भाजपा पर निशाना साधा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023